RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

# स्मार्ट हलचल

वर्ष-11 | अंक-16 | जयपुर, गुरुवार, 16 जुलाई 2026 | मूल्य-4 रूपये

**वर्तमान व पूर्व विधायकों का महाकुंभ** राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर 'अमृत महोत्सव' का भव्य आयोजन

## लोकतंत्र की 'पाठशाला' हैं विधानमंडल: लोकसभा अध्यक्ष

जयपुर

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विधानमंडल केवल कानून बनाने वाले संस्थान नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र की ऐसी 'पाठशालाएँ' हैं जहाँ जनप्रतिनिधि संवाद, अनुशासन, सहमति और सेवा के मूल्यों का संस्कार प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति अपने दायित्वों का पूर्णतः बोध होना चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं, बल्कि जनविश्वास, संवाद, गरिमा और सेवा-भावना से सुदृढ़ होता है।

बिरला राजस्थान विधान सभा के 75वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'विधान गौरव यात्रा भूतपूर्व एवं वर्तमान सदस्यों का सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। राजस्थान विधान सभा को अपने सार्वजनिक जीवन की 'प्रथम पाठशाला' बताते हुए बिरला ने कहा कि इसी सदन में अर्जित लोकतांत्रिक मूल्य, संसदीय परंपराएँ



और विधायी आचरण ने उन्हें छात्र नेता से विधायक, सांसद और अंततः लोक सभा अध्यक्ष बनने की यात्रा में मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि विधान सभा में उन्होंने संसदीय लोकतंत्र का वास्तविक स्वरूप समझा कि सुनने की संस्कृति और स्वस्थ बहस लोकतंत्र को समृद्ध बनाती है तथा इतिहास का निर्माण करती है, जबकि व्यक्तिगत मतभेद लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। उन्होंने कहा कि सदन में होने वाली प्रत्येक बहस और प्रत्येक शब्द लोकतांत्रिक इतिहास का स्थायी हिस्सा बन जाता है।

### लोकतंत्र में अटूट आस्था और जनकल्याण की आधारशिला है अमृत महोत्सव: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर मनाया जा रहा अमृत महोत्सव लोकतंत्र में हमारी अटूट आस्था, जन-जन की आकांक्षाओं तथा प्रदेश की गौरवशाली लोकतांत्रिक यात्रा का ऐतिहासिक उत्सव है। वर्ष 1952 में 160 सदस्यों के साथ प्रारंभ हुई राजस्थान विधानसभा की यात्रा आज लोकतंत्र, सुशासन और जनकल्याण की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। उन्होंने कहा कि समय के साथ सरकारें और विचारधाराएं बदलीं, लेकिन जनहित सर्वोपरि रखने का संकल्प कभी नहीं बदला। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत महोत्सव एक दिन का आयोजन नहीं है, बल्कि पूरे वर्ष चलने वाला लोकतांत्रिक महोत्सव है। इस दौरान संसदीय एवं संविधान विशेषज्ञों के विचार, लोकतंत्र की चुनौतियों पर विमर्श, विधानसभा के डिजिटल रूपांतरण पर चर्चा और नई पीढ़ी को संसदीय परंपराओं से जोड़ने जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे अनुभव, ऊर्जा, परंपरा और नवाचार का अद्भुत समागम देखने को मिलेगा।

### अनुभव और युवा ऊर्जा का यह अद्भु समागम लोकतंत्र की असली पूंजी

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सभी अतिथियों और पूर्व व वर्तमान सदस्यों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि राजस्थान विधानसभा की 75 वर्षों की यह विधायी गौरव यात्रा देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने अनुभव और युवा ऊर्जा के इस अभूतपूर्व समागम को लोकतंत्र की असली पूंजी बताते हुए कहा कि जब एक युवा विधायक का आधुनिक दृष्टिकोण बुजुर्ग विधायकों के दशकों लंबे विधायी और सामाजिक अनुभवों से मिलता है, तो संसदीय परंपराएं और अधिक परिपक्व व समृद्ध होती हैं। देवनानी ने सदन के यशस्वी अतीत को नमन करते हुए पूर्व व वर्तमान सदस्यों की जन-प्रतिबद्धता को सराहा, जिनके सकारात्मक विचार-विमर्श से राज्य में सामाजिक और आर्थिक विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं।

### सदन में चाहे कितना तनाव हो, स्पीकर के चेहरे पर नहीं आना चाहिए

लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला ने स्पीकर वासुदेव देवनानी पर चुटकी लेते हुए कहा- मैंने विधानसभा अध्यक्षजी को



भी कहा कि सदन में अध्यक्ष सबका होता है। सदन में कितना ही तनाव हो, अध्यक्ष के आसन पर बैठे व्यक्ति के चेहरे पर नहीं दिखना चाहिए। इस पर वहां मौजूद विधायकों, पूर्व विधायकों ने जमकर ठहाके लगाए। बिरला ने कहा- कई बार सदन में उत्तेजना होती है। मुझे कुछ सदस्य सलाह देते हैं कि आपके चेहरे पर तनाव था, जो नहीं होना चाहिए था। इस तरह सीखते रहना चाहिए। मैं जब पहली बार संसदीय सचिव बना था, तब जनसुनवाई कर रहा था, लोग ज्यादा आ गए। मेरे एक कार्यकर्ता ने कहा- आज आपके चेहरे पर तनाव है। मैंने उस कार्यकर्ता की बात से सीख ली और आगे से ध्यान रखा कि चाहे कितनी भीड़ हो चेहरे पर तनाव नहीं दिखना चाहिए।

### उपराष्ट्रपति बोले-चुनाव जीतने से अधिक महत्वपूर्ण जनता की सेवा

समापन सत्र में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व एवं वर्तमान विधायक शामिल हुए।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि चुनाव जीतना महत्वपूर्ण है, लेकिन जनता की सेवा करना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन सभी जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता जनता और संविधान के प्रति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बहस, चर्चा और कभी-कभी व्यवधान भी अंततः किसी निर्णय तक पहुंचने चाहिए।

उन्होंने राज्य विधानसभाओं को भारतीय लोकतंत्र की 'जीवंत धड़कन' बताते हुए कहा कि संसद जहां राष्ट्रीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं विधानसभाएं गांव, कस्बों और आम नागरिकों की आवाज़ को मंच देती हैं। उन्होंने कहा कि स्थायी सम्मान चुनावी जीत से नहीं, बल्कि ईमानदार जनसेवा से मिलता है। अपने संबोधन में उन्होंने महाराणा प्रताप और चेतक का उल्लेख करते हुए कहा कि इतिहास केवल नायकों को ही नहीं, बल्कि उनके साथ निष्ठापूर्वक योगदान देने वालों को भी याद रखता है।

## स्विफ्ट ने स्कूटी सवार दोस्तों को उड़ाया, दोनों की मौत

**झुंझुनूं।** झुंझुनूं में स्विफ्ट कार ड्राइवर ने स्कूटी सवारों 2 को जोरदार टक्कर मार दी। दोनों स्कूटी से उछलकर गिर गए और स्कूटी कार के नीचे गई फंस गई। कार सवार इसके बावजूद भी स्कूटी को घसीटता हुआ करीब 2 किमी ले गया। इसके वाद कार का टायर फट गया। इसके बाद वह कार छोड़ कर फरार हो गया।मामला गुढ़ागौड़जी थाना इलाके का मंगलवार रात का है। दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसे में संत कुमार सैनी (35) और जावेद (41) की मौत हो गई है।

## राजस्थान के 6 आरपीएस बने आईपीएस

### राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, नरपत सिंह, राम स्वरूप शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद खोथ प्रमोट हुए

जयपुर

राज्य पुलिस सेवा (आरपीएस) के 6 अधिकारी भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में पदोन्नत हो गए हैं। संघ लोक सेवा आयोग के चयन समिति की बैठक में तय चयन सूची को अनुमोदित करने के बाद आज गृह मंत्रालय ने इन 6 पुलिस अधिकारियों के नामों की अधिसूचना जारी कर दी।



अधिसूचना के अनुसार 1997 बैच के आरपीएस राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, नरपत सिंह, राम स्वरूप शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद खोथ, धनपत राज और रेवन्त दान आईपीएस में प्रमोट हो गए हैं। 1 जनवरी 2016 तक राजस्थान में आईपीएस अधिकारियों के 8 पद खाली थे। इन्हीं रिक्तियों में से 6 पदों पर राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को प्रमोट किया गया हैं। जनवरी 2026 के आकड़ों के अनुसार राजस्थान में 214 आईपीएस कार्यरत हैं। इनमें 25 अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर हैं।

आईपीएस बनने वाले अधिकारियों में से केवल 2 अधिकारी जयपुर से बाहर पोस्टेड हैं। शेष सभी अधिकारी जयपुर में ही अलग-अलग पदों पर पदस्थापित हैं। राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, एसडीआरएफ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, रामस्वरूप शर्मा, जयपुर मैट्रो में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, राजेन्द्र प्रसाद खोथ, एटीएस जयपुर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, धनपतराज, आरपीए में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हैं।

वहीं नरपत सिंह जैतावत, सीआईडी जोधपुर और रेवंतदान, जैसलमेर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थापित हैं।

## भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट का डेटा लीक

### दावा- हैकर्स ने कंट्रोल रूम का लेआउट, सप्लायर्स की लिस्ट डार्क वेब पर डाली

चेन्नई

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है।

इनमें पावर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की लिस्ट, कंट्रोल रूम और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए। सर्वर



मई में हैक हुआ था, जून में दस्तावेज लीक का दावा किया गया। इसकी जानकारी अब सामने आई है। तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट पर काम कर रहे अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने माना है कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा का सर्वर हैक किया गया। इसकी जानकारी सरकार को दे दी गई है।

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट की यूनिट-3 और यूनिट-4 प्रोजेक्ट का ठेकेदार है। कंपनी का कुछ डेटा थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा के सर्वर पर मौजूद था। योट्टा ने सर्वर पर 29 मई 2026 को संदिग्ध गतिविधि देखी। दावा किया कि साइबर अटैक रोक दिया।

जून के अंत में रिलायंस ने योट्टा को बताया कि वर्ल्ड लीक्स नामक हैकर समूह डेटा चोरी का दावा कर रहा है।

डार्क वेब पर करीब 8.58 लाख फाइलों में से लगभग 19 हजार संवेदनशील दस्तावेज अपलोड करने का दावा किया गया।

लीक दस्तावेजों में कथित तौर पर ब्लूप्रिंट, सप्लायरों की जानकारी, निरीक्षण रिकॉर्ड, बैठकों के दस्तावेज की फाइलें शामिल हैं।

न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड रिलायंस के साथ मिलकर मामले की समीक्षा कर रहा है। भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम भी इस डेटा लीक की जांच कर रही है।

**राममंदिर चढ़ावा चोरी**

## आरोपी रमाशंकर के घर प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले

अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी रमाशंकर मिश्रा और रिटायर्ड बैंककर्मी सुभाष श्रीवास्तव को बुधवार रात करीब 9:30 बजे पुलिस लाइंस से फैजाबाद जेल भेज दिया गया। पुलिस ने दोनों को सुबह 8 बजे 14 घंटे के लिए रिमांड पर लिया था।

पुलिस ने पहले दोनों आरोपियों से पुलिस लाइंस में लंबी पूछताछ की। इसके बाद आरोपी रमाशंकर मिश्रा को लेकर अयोध्या स्थित उसके किराए के घर पहुंची।

## सीबीएसई के डिजिटल मार्किंग सिस्टम से छात्र निराश: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सीबीएसई के ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम को लेकर छात्रों की नाराजगी पर चिंता जताई। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'देखिए, छोटे-छोटे बच्चों में कितनी निराशा है। कोर्ट ने कहा कि सरकार से किसी टकराव की मंशा नहीं है, लेकिन व्यवस्था में कुछ समस्याएं हैं। कोर्ट ने सीबीएसई की ओर से उठाए जा रहे कदमों की जानकारी मांगी है। साथ ही केंद्र से सहयोग करने की बात कही है। सीबीएसई का ओएसएम यानी ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम ऐसी व्यवस्था है, जिसमें ऑन्सर शीट की स्कैन कॉपी कंप्यूटर पर जांची जाती है। शिक्षक कागज की कॉपी देखने के बजाय डिजिटल स्क्रीन पर मूल्यांकन करते हैं। केंद्र की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि जिन स्टूडेंट्स की मार्कशीट में गड़बड़ी थी। उनमें से अधिकांश मामलों का समाधान कर दिया गया है। सरकार इस व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि एस राधा चौहान की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग बनाया गया है।

## एलडीसी भर्ती-परीक्षा में नकल, टोंक में तीन कर्मचारियों को नोटिस

### एग्जाम रूम में शिक्षक ने अभ्यर्थी को आंसर बताए

टोंक

जैसलमेर के बाद अब टोंक में भी LDC भर्ती(ग्रेड सेकंड) परीक्षा में नकल कराने के आरोप लगे है। 5 जुलाई को जिला मुख्यालय के पास देवनारायण बालिका आवासीय स्कूल, चराई में बनाए गए LDC भर्ती परीक्षा सेंटर के परीक्षार्थी ने परीक्षा सेंटर के तीन कर्मचारियों पर यह आरोप लगाए हैं। परीक्षार्थी ने आरोप



लगाया कि 5 जुलाई को सेकंड पारी में परीक्षा के दौरान दो वीक्षक कमरे से बाहर चले गए, तभी एक अन्य शिक्षक अंदर आया और एक अभ्यर्थी को सवाल हल करवाने लगा। शिकायतकर्ता ने विरोध किया तो उसे भी धमकाया गया। परीक्षार्थी ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष, टोंक कलेक्टर और अतिरिक्त जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। ADM विनोद कुमार मीना ने बताया- परीक्षार्थी ने शिकायत दी है, जिसमें बताया कि जिस कमरे में वह परीक्षा दे रहा था, उस कमरे ड्यूटी में तैनात कर्मचारी बाहर निकल गए और वो निकलते ही एक व्यक्ति अंदर आया और मेरे दो तीन लाइन पीछे की साइड में एक व्यक्ति अंदर आया और करीब 10 मिनट तक परीक्षार्थी के पास खड़ा रहा, मुझे ऐसा लगता है कि उस व्यक्ति ने परीक्षार्थी को नकल कराई होगी।

### वांगचुक के अनशन पर दिल्ली हाईकोर्ट में अर्जेंट सुनवाई

## कोर्ट ने केंद्र-दिल्ली सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल को बहुत जरूरी माना। केंद्र और दिल्ली सरकार से गुरुवार सुबह तक जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने यह सुनवाई एक जनहित याचिका पर की। इसमें वांगचुक को तुरंत मेडिकल सुविधा और इलाज देने की मांग की गई है। वांगचुक नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 18 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। उनकी हालत लगातार गिरती जा रही है। 8:50 किग्रा तक वजन गिर गया है।

सरकार सोनम वांगचुक को तुरंत इमरजेंसी ट्रीटमेंट, जीवनरक्षक उपचार और जरूरी पोषण उपलब्ध कराए। साथ ही सरकार उनके आंदोलन से जुड़े मुद्दों पर बातचीत भी शुरू करे।

भूख हड़ताल के बाद से सोनम वांगचुक का करीब 8.25 किलो वजन घट गया है। उन्हें लो ब्लड शुगर, चक्कर, ज्यादा कमजोरी और मांसपेशियां कमजोर होने जैसी दिक्कतें हो रही हैं।

किसी की जान खतरे में होने पर सरकार चुप नहीं रह सकती। भूख हड़ताल शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है, लेकिन नागरिक की जान बचाना भी सरकार की जिम्मेदारी है।

**रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर कार्रवाई की तैयारी**

## भारत सहित पांच देशों पर 100% टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी सीनेट में दोनों प्रमुख दलों (रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक) के सांसदों ने रूस के खिलाफ एक सख्त आर्थिक प्रतिबंध विधेयक पेश किया है, जिसका सीधा असर भारत पर भी पड़ सकता है। इस नए संशोधित मसौदे के तहत रूस से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की खरीद जारी रखने वाले देशों पर अधिकतम 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है।

बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100% टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के



समर्थन से लाया जा रहा है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके।

इसके तहत रूस के अधिकारियों, शैडो टैंकर बेड़े, केंद्रीय बैंक और सरकारी ऊर्जा परियोजनाओं पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। पहले बिल के शुरुआती मसौदे में 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100% कर दिया गया। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल खरीदकर उसकी कमाई बढ़ा रहा है।

### भारत ने पिछले महीने आधे से ज्यादा तेल रूस से खरीदा

भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो देश के कुल तेल आयात का 52.4% था। यानी पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में एक से ज्यादा बैरल रूस से आया। रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना हुआ है। मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में करीब 39% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले चीन, फ्रांस, जापान, हंगरी और बेल्जियम को भी इसके दायरे में रखा गया है। हालांकि, जो देश रूस की कुल गैस निर्यात का 15% से कम आयात करते हैं और अपनी निर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं, उन्हें छूट मिल सकती है।

सीनेट में पेश बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100% टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को राहत इसलिए दी गई है, क्योंकि ये रूस से 15% से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहे हैं।

### ट्रम्प को मिलेगी छूट देने की शक्ति

संशोधित बिल में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को यह अधिकार भी दिया गया है कि अगर उन्हें लगे कि यह अमेरिका के राष्ट्रीय हित में है, तो वे इन प्रतिबंधों या टैरिफ में छूट दे सकते हैं।

## नोएडा में 5 मंजिला बिल्डिंग में आग, 2 की मौत

### स्कूटी चार्जिंग के दौरान धमाके से आग लगी

नोएडा

नोएडा में बुधवार दोपहर 5 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा और एक युवती गंभीर रूप से झुलस गए।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर पर इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी, इसी दौरान उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। आग में कई बाइकें जल गईं।

फायर ब्रिगेड की 7 गाडियां मौके पर पहुंची हैं। बिल्डिंग में रहने वाले करीब 50 से अधिक परिवारों का रेस्क्यू किया जा रहा है। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें





दिख रहा है कि दो इमारतों की छतों के बीच सीढ़ियां लगाई गई हैं। इन्हीं के सहारे लोग दूसरी बिल्डिंग में जा रहे हैं।

फिलहाल, पुलिस ने बिल्डिंग मालिक को हिरासत में ले लिया है। आग सेक्टर-66 के ममूरा इलाके में लगी है। यह भीड़भाड़ वाला इलाका है। यहां नौकरी कर रहे लोग परिवार के साथ रहते हैं।

नोएडा सेंट्रल के डीसीपी शैलेंद्र सिंह ने कहा, एक रिहायशी बिल्डिंग में ईवी स्कूटी चार्जिंग पर लगी थी। उसमें स्पार्किंग होने के कारण गाड़ी में आग लग गई। इसके बाद उसके आसपास खड़ी सभी गाडियों में आग लग गई। आग से निकलने वाला धुआ ऊपर रहने वाले लोगों के घरों में पहुंच गया। सूचना पाते ही पुलिस की टीम और फायर टेंडर मौके पर पहुंचे और उन्होंने बचाव कार्य शुरू किया। करीब 50 से अधिक परिवारों को वहां से सही सलामत बाहर निकाला गया।

## पंजाब में कमजोर पड़ा मानसून, सैटेलाइट तस्वीरों से बढ़ी चिंता

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के कई इलाकों में मानसूनी बादलों का मिजाज बदल गया है, जिससे किसानों और आम जनता की चिंता बढ़ी है। सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला है कि पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर और हिमाचल से सटे क्षेत्रों में अभी भी घने बादल मौजूद हैं। वहीं, जालंधर, लुधियाना, कपूरथला और नवांशहर में भी बादलों की हल्की पट्टी देखी जा रही है, जबकि मोहाली और जालंधर में सुबह के वक्त कुछ तेज बारिश भी दर्ज की गई। इसके विपरीत, राज्य के दक्षिणी जिले जैसे बठिंडा, मानसा, मुक्तसर और फाजिल्का में बादल लगभग नदारद हैं, जिससे यहां सूखे जैसे हालात बन रहे हैं। बीते 24 घंटों में पंजाब के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहा और केवल सीमावर्ती व पहाड़ी क्षेत्रों में ही हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 13 से 18 जुलाई के बीच मानसून की गतिविधियां कमजोर रहने की संभावना है, जिसके चलते लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। चंडीगढ़ में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ मौकों पर बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं, हालांकि इसके लिए कोई विशेष अलर्ट जारी नहीं किया गया है। एक ओर जहां पंजाब के कई हिस्से बारिश की कमी झेल रहे हैं, वहीं पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में जुलाई महीने में अब तक सामान्य से 40 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। 1 से 12 जुलाई के बीच राज्य में 119.6 मिलीमीटर वर्षा हुई है, जो सामान्य 85.6 मिलीमीटर से काफी ज्यादा है।

## सर्पदंश से मासूम की मौत, सपेरे का करते रहे इंतज़ार

गुरुग्राम (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। बहादुरगढ़ में एक दुखद घटना सामने आई है जहाँ अंधविश्वास के चलते चार वर्षीय मासूम अंशज ने अपनी जान गंवा दी। टीकरी बॉर्डर क्षेत्र में सांप के काटने के बाद उसके परिजन तुरंत अस्पताल ले जाने की बजाय सपेरे का इंतजार करते रहे। जब वे अचेत अवस्था में सिविल अस्पताल पहुंचे, तब चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हैरानी की बात यह है कि डॉक्टरों द्वारा मृत्यु की पुष्टि के बाद भी स्वजन सपेरे के आने की उम्मीद में काफी देर तक वहीं इंतजार करते रहे। अस्पताल प्रशासन ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसने मौके पर पहुँचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। चिकित्सकों ने समझाया है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या सपेरे के भरोसे रहने की बजाय तुरंत निकटतम अस्पताल पहुंचना चाहिए। एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) समय पर मिलने से कई जानें बचाई जा सकती हैं, जैसा कि बहादुरगढ़ में ही पहले दो मामलों में हुआ। यह घटना अंधविश्वास से बचने और तत्काल चिकित्सा सहायता लेने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

## महाराष्ट्र की लाडकी बहिन योजना में बड़ा फेरबदल : 81 लाख महिलाएं बाहर

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना राज्य में एक बड़े राजनीतिक विवाद का केंद्र बनी है। महीनों तक चले व्यापक ई-केवाईसी सत्यापन अभियान के बाद, महायुति सरकार ने करीब 81 लाख लाभार्थियों को योजना से बाहर किया है, जिससे सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कदम का बचाव कर कहा कि ई-केवाईसी प्रक्रिया का उद्देश्य योजना की पात्रता शर्तों को पूरा न करने वाले अयोग्य लाभार्थियों जैसे आयकर दाता और सरकारी कर्मचारियों के परिवार की पहचान करना और उन्हें हटाना था। उन्होंने बताया कि योजना की शुरुआत में 2.63 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से 2.47 करोड़ महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता मिलनी शुरू हुई थी। मंत्री अदिति ने स्पष्ट किया कि अयोग्य लोगों को हटाने के लिए ई-केवाईसी शुरू होने के बाद लाभार्थियों की संख्या घटकर 1.67 से 1.7 करोड़ रह गई। अदिति तटकरे ने उन रिपोर्टों को भी खारिज किया जिनमें 92-93 लाख लाभार्थियों को हटाए जाने का दावा किया गया था, यह बताकर कि यह आंकड़ा कुल पंजीकरण और वर्तमान लाभार्थियों के बीच का अंतर था, न कि वास्तविक लाभार्थियों की संख्या। हालांकि, विपक्षी दलों ने महायुति सरकार पर 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले योजना का दुरुपयोग एक चुनावी हथियार के रूप में करने का आरोप लगाया है, और इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को सूची से बाहर करने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह योजना अब राज्य में एक नए सियासी घमासान का रूप ले चुकी है।

## दिल्ली में ट्रांसजेंडर भेष में बांग्लादेशी गिरफ्तार, अवैध धंधों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी इलाके में अवैध आप्रवासन के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत महत्वपूर्ण कार्रवाई में बांग्लादेश के एक अवैध नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति ट्रांसजेंडर के भेष में रहकर रात के समय अवैध गतिविधियों में शामिल मिला। भलस्वा फ्लाईओवर के नीचे सुबह-सुबह की गई विशेष कार्रवाई में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। शुरुआती पूछताछ के दौरान, संदिग्ध व्यक्ति अपने भारत में रहने संबंधी कोई वैध यात्रा या पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। विस्तृत जांच और डिजिटल फुटप्रिंट से पुष्टि हुई कि वह बिना दस्तावेज़ों के गैर-कानूनी रूप से भारत में रह रहा बांग्लादेशी नागरिक है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, पकड़े गए व्यक्ति की पहचान सुकांता चंद्र दास (उर्फ माधुरी), 44 वर्षीय पुरुष के रूप में हुई है। वह बांग्लादेश के ढाका जिले के गाज़ीपुर इलाके का रहने वाला है। उसके पास से मिले एक स्मार्टफोन में प्रतिबंधित आईएमए एप इंस्टॉल मिला और फ़ोन की गैलरी में बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र के दस्तावेज़ों की तस्वीरें भी मौजूद थीं, जिससे उसकी पहचान और अवैध स्थिति की पुष्टि हुई। कानूनी कार्रवाई करते हुए, फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया है। तय प्रक्रियाओं के तहत अब देश से वापस भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस की अवैध आप्रवासन और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

## कानपुर : थाने में आत्मदाह का प्रयास, बचाने गए पुलिसकर्मी भी झुलसे

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में मंगलवार को हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। पारिवारिक विवाद से परेशान एक युवक ने खुद को आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया, जिससे न सिर्फ वह गंभीर रूप से झुलस गया, बल्कि युवक को बचाने दौड़े तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सभी को तत्काल उर्सुला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां बर्न यूनिट में उनका उपचार चल रहा है। चकेरी एसीपी के अनुसार, फुफुवार राजथोक निवासी करीब 35 वर्षीय मजदूर महेश पासवान का अपनी पत्नी पूनम से पिछले कई माह से विवाद चल रहा था।

# एसआईआर प्रक्रिया पर चुनाव आयोग संयुक्त राष्ट्र के निशाने पर? भारत ने आरोपों को किया खारिज

### 60 दिन के अंदर जवाब देने को कहा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एसआईआर) को लेकर संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार तंत्र से जुड़े 3 स्वतंत्र विशेषज्ञों ने भारत सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब तलब किया है। यूनाइटेड नेशन के विशेषज्ञों ने आशंका जताई है. यदि दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया उचित सुरक्षा उपायों के बिना लागू की जाती है. ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के मतदान अधिकार प्रभावित हुये हैं. इस संबंध में यूनाइटेड नेशन ने भारत से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों,नागरिकों के राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समझौता (आईसीसीपीआर), के अनुरूप स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

यूनाइटेड नेशन ने पूछा है, मतदाता सूची से नाम हटाने, अपील की व्यवस्था और प्रभावित मतदाताओं के लिए उपलब्ध कानूनी उपाय के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है। यह टिप्पणियां संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र विशेष प्रतिवेदकों/विशेषज्ञों की हैं. संयुक्त राष्ट्र महासभा या सुरक्षा परिषद दे अभी इस मामले में कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिया है।

भारत सरकार और निर्वाचन आयोग ने आरोपों को अस्वीकार किया है। आयोग का कहना है, एसआईआर पूरी तरह संविधान, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित की जा रही है। आयोग के अनुसार किसी भी पात्र मतदाता का नाम मनमाने ढंग से नहीं हटाया जाएगा. प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने और दावा-आपत्ति दर्ज कराने का पूरा अवसर दिया जा रहा है। आयोग ने कहा है, अंतिम मतदाता सूची जारी होने से पहले सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किए जाने का भरोसा दिलाया है। सरकार का पक्ष है, भारत का चुनावी तंत्र स्वतंत्र और मजबूत है. मतदाता सूची का शुद्धिकरण निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है। सरकार ने कहा है, भारत अपने संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार चुनाव कराता है. लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सरकार और चुनाव आयोग प्रतिबद्ध है।

यह मुद्दा राजनीतिक और कानूनी बहस का विषय बन गया है. बिहार और पश्चिम बंगाल में जिस तरह से मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग किए गए हैं. उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. पश्चिम बंगाल के 27 लाख से ज्यादा मतदाताओं के मतदान अधिकार ट्रिब्यूनल में लंबित थे. सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि इस बार मतदान नहीं कर पाए तो अगली बार कर देना. संयुक्त राष्ट्र में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. अंतिम स्थिति निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया और न्यायिक समीक्षा तथा यूनाइटेड नेशन पर निर्भर करेगी।

## वांगचुक की भूख हड़ताल : महुआ और उद्धव ठाकरे ने कहा सरकार को आपकी चिंता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का मंगलवार को 17वां दिन था, और उनके बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर चिंताएँ बढ़ती जा रही है। प्रमुख राजनीतिक हस्तियों ने उनसे अपना अनशन समाप्त करने की अपील की है, हालांकि वांगचुक केंद्र सरकार से बातचीत की अपनी मांग पर अडिग हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दिपके ने वांगचुक के स्वास्थ्य की जानकारी देकर बताया कि उनका वज़न 8.5 किलो कम हुआ है, मांसपेशियां कमज़ोर पड़ गई हैं, और उन्हें अत्यधिक दर्द हो रहा है। उनका ब्लड प्रेशर 109/70 है। दिपके के अनशन समाप्त करने के अनुरोध पर, वांगचुक ने शांति से जवाब दिया कि सरकार को बातचीत के लिए आगे आना चाहिए, न कि उन्हें अनशन तोड़ने के लिए कहा जाए। वहीं टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने वांगचुक से अपील की कि उनका उद्देश्य पूरा हो चुका है, और केंद्र सरकार को उनकी परवाह नहीं है, लेकिन उनकी जान देश के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्हें उपवास खत्म कर लड़ाई जारी रखनी चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आंदोलन को अपना समर्थन देकर वांगचुक से अनशन वापस लेने का आग्रह किया। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी विरोध स्थल का दौरा कर एकजुटता व्यक्त की। यह भूख हड़ताल शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के 25वें दिन से चल रही है। दिपके ने सरकार से अहंकार की लड़ाई न बनाने का आग्रह कर कहा कि यहां इंसानी जानें दांव पर लगी हैं, और अपनी गलती मानना परिपक्वता तथा जवाबदेही की निशानी है।

## टीईटी पेपर लीक से 6 लाख छात्रों का भविष्य अधर में

**-राहुल गांधी का महाराष्ट्र सरकार पर हमला**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) 2026 रद्द होने और पेपर लीक के आरोपों को लेकर देवेंद्र फडणवीस सरकार पर सवाल उठाए, जिससे करीब छह लाख उम्मीदवार अधर में लटके हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षा रद्द होने के दो हफ्ते बाद भी कोई नई तारीख घोषित नहीं की गई है, जो इन छात्रों के भविष्य के लिए चिंता का कारण है।

अपनी पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक हुआ और परीक्षा रद्द कर दी गई। दो हफ़्ते बीत चुके हैं, लेकिन नई तारीख का कोई अता-पता नहीं है, इससे 6 लाख उम्मीदवार अनिश्चितता में जी रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक करने वाले आजाद घूम रहे हैं, सिस्टम पर कोई दाग नहीं लगा है, जबकि ईमानदारी से मेहनत करने वाले छात्रों को इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। राहुल गांधी ने कहा कि ये छात्र ही देश के मौजूदा और भविष्य के शिक्षक हैं, जिनके हाथों में भारत का भविष्य है।

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री फडणवीस को संबोधित कर अपनी 3 सूत्रीय मांगें रखीं। उन्होंने सबसे पहले महाराष्ट्र टीईटी का नया शेड्यूल तुरंत घोषित करने की अपील की। इसके साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि पेपर लीक के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, न कि उम्मीदवारों को सजा दी जाए। तीसरी मांग में उन्होंने कहा कि उन उम्मीदवारों को उम्र सीमा में छूट दी जाए जिनकी पात्रता परीक्षा टलने से प्रभावित हुई हो सकती है। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों उम्मीदवारों का भरोसा बहाल करने के लिए महाराष्ट्र सरकार को तेज़ी से कदम उठाने चाहिए और प्रशासनिक विफलता का बोझ उन मेहनती छात्रों पर नहीं पड़ना चाहिए जिन्होंने सालों तक तैयारी की है।

## महिला आरक्षण पर सरकार को विपक्ष की नेता का समर्थन

-प्रियंका चतुर्वेदी ने की सभी दलों से सहमति बनाने की अपील, मानसून सत्र से पहले बढ़ी राजनीतिक हलचल

-महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने पर फिर तेज हुई चर्चा

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण को लेकर एक बार फिर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की पूर्व राज्यसभा सांसद और विपक्षी इंडिया गठबंधन की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल का समर्थन करते हुए सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि महिला आरक्षण को वास्तविकता का रूप दिया जाए।

प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक समाचार रिपोर्ट साझा करते हुए लिखा कि यह ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी राजनीतिक दल अपने-अपने रुख पर पुनर्विचार करेंगे और महिला आरक्षण को लागू करने की दिशा में सहमति बनाएंगे। हाल के महीनों में प्रियंका कई राष्ट्रीय मुद्दों पर पार्टी लाइन से अलग स्वतंत्र राय भी रखती रही हैं।

यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक बुलाया है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि सरकार इस दौरान महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने तथा परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को फिर से संसद में पेश करने का प्रयास कर सकती है। माना जा रहा है कि इस बार सरकार पहले पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित करने के बाद ही विधेयक आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए विपक्षी दलों के साथ भी संवाद कर रही है। खबरों में दावा किया गया है कि सरकार दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित होने के बाद ही विधेयक सदन में लाना चाहती है। इसके लिए कुछ विपक्षी दलों से समर्थन या कम से कम मतदान के दौरान अनुपस्थित रहने की संभावना पर भी चर्चा होने की बात कही गई है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गौरतलब है कि इससे पहले विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने के कारण पारित नहीं कराया जा सका था। प्रस्तावित संशोधन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के साथ लोकसभा की कुल सीटों में वृद्धि का भी प्रावधान शामिल होने की चर्चा रही है। मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभिन्न राजनीतिक दल इस विषय पर किस प्रकार का रुख अपनाते हैं और क्या व्यापक सहमति के साथ इस लंबे समय से लंबित मुद्दे पर आगे बढ़ा जा सकेगा।

## ई-20 पेट्रोल सस्ता क्यों नहीं? सरकार ने बताई वजह, दूर की उपभोक्ताओं की उलझन

नई दिल्ली(एजेंसी)। देशभर में ई-20 पेट्रोल लागू होने के बाद आम लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है, तो इसकी कीमत शुद्ध पेट्रोल या ई-10 पेट्रोल से कम क्यों नहीं है। इस पर केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा परिस्थितियों में ई-20 पेट्रोल का उत्पादन शुद्ध पेट्रोल से सस्ता नहीं पड़ता। सरकार के अनुसार इथेनॉल की खरीद किसानों को लाभकारी मूल्य पर की जाती है। इसके अलावा इथेनॉल के उत्पादन, परिवहन, भंडारण और आपूर्ति पर भी अतिरिक्त खर्च आता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मौजूदा कीमतों के कारण शुद्ध पेट्रोल की उत्पादन लागत अपेक्षाकृत कम पड़ रही है। यही वजह है कि ई-20 पेट्रोल उपभोक्ताओं को सस्ता उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। केंद्र सरकार का कहना है कि इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल कीमत कम करना नहीं, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाना, विदेशी मुद्रा की बचत करना, किसानों की आय बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना भी है। सरकार का दावा है कि इस कार्यक्रम से देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और लंबे समय में इसका लाभ अर्थव्यवस्था तथा उपभोक्ताओं दोनों को मिलेगा।

## यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन में दरारें और गहरी: इमरान ने सपा पर गंभीर आरोप

**लखनऊ (एजेंसी)।** 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के इंडिया गठबंधन में तनाव बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इमरान मसूद ने सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणी के जवाब में समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता मसूद के बयान से दोनों सहयोगियों के बीच दरारें और गहरी हो गई हैं, जिससे 2024 के लोकसभा चुनावों में सफल रही यह साझेदारी अगले विधानसभा चुनावों तक टिक पाएगी या नहीं, इस पर सवाल खड़े हुए हैं।

सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणियों का जवाब देकर कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने दावा किया कि कांग्रेस के बजाय सपा को गठबंधन की ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी ही गठबंधन के लिए जोर दे रही है और इसी की बदौलत आप 2024 में 37 सीटें जीत सके, वरना 2022 में आप 120 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके थे। सपा पर और कड़ा प्रहार कर मसूद ने आरोप लगाया कि पार्टी प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं का समर्थन करने में लगातार विफल रही है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी किसी मुस्लिम नेता या अपनी बात रखने वाले नेता को बर्दाश्त नहीं कर सकती, और ऐसा नेता अब कांग्रेस में है।

अतीत में सपा से जुड़े प्रमुख मुस्लिम नेताओं का जिक्र कर मसूद ने कहा कि उनकी पार्टी में किसका नुकसान हुआ? मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और आजम खान का। कांग्रेस नेता ने इस बात को खारिज किया कि उनकी चुनावी जीत सपा के साथ गठबंधन पर निर्भर थी। उन्होंने कहा, मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से अपनी सीट जीता हूं। चुनाव के दौरान मैंने गठबंधन में रहते हुए भी समाजवादी पार्टी के लिए एक भी रैली नहीं की।

मसूद के ये बयान उन सार्वजनिक टिप्पणियों की श्रृंखला का हिस्सा हैं, जिनसे दोनों विपक्षी पार्टियों के बीच बढ़ती बेचैनी सामने आई है, क्योंकि वे 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष राज कुमार सिंह पटेल के सुझाव के बाद तनाव और बढ़ गया था कि विधानसभा चुनावों के लिए सपा के साथ किसी भी संभावित गठबंधन में कांग्रेस सीटों में बराबर हिस्सेदारी की मांग करेगी। मसूद के आरोप और कांग्रेस के अन्य नेताओं की टिप्पणियां दर्शाती हैं कि 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों से पहले दोनों पार्टियों के बीच राजनीतिक समीकरण उलझते जा रहे हैं।

## ज्ञानवापी मध्यस्थता : हिंदू पक्ष का स्वागत, मुस्लिम पक्ष पर असहयोग का आरोप

**वाराणसी (एजेंसी)।** ज्ञानवापी विवाद को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता पहल ने फिर वाराणसी में हलचल मचा दी है। हिंदू पक्ष के वादकारियों ने कदम का स्वागत कर जिला न्यायालय में होने वाली मध्यस्थता संबंधी बैठक में शामिल होने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने मुस्लिम पक्ष और ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति पर इस पहल को स्वीकार न करने का आरोप लगाया है।

हिंदू पक्ष के वादी सोहन लाल आर्य ने सुप्रीम कोर्ट की पहल को सकारात्मक बताया, लेकिन मुस्लिम पक्ष द्वारा अस्वीकार करने को सामाजिक सद्भाव के लिए ठीक नहीं बताया। आर्य ने कई सवाल उठाए, जैसे कि क्या दुनिया में ऐसी कोई मस्जिद है जिसके नीचे पूजा हो और ऊपर नमाज पढ़ी जाए, या जिसके सामने नंदी विराजमान हों? उन्होंने इन्हीं को अपने प्रमुख प्रमाण और साक्ष्य बताया। उन्होंने दावा किया कि वक्फ बोर्ड और एलेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट, 1991 से जुड़े मामलों में मुस्लिम पक्ष जिला न्यायालय और इलाहाबाद हाईकोर्ट में हार चुका है, और इसी कारण वे अब सुप्रीम कोर्ट में मध्यस्थता से बच रहे हैं।

हिंदू पक्ष की एक अन्य वादी लक्ष्मी देवी ने भी मुस्लिम पक्ष पर लगातार बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष को पता है कि ज्ञानवापी मंदिर है, मस्जिद नहीं, इसलिए वे मध्यस्थता में शामिल नहीं होना चाहते और मामले को लंबा खींचना चाहते हैं। उन्होंने 1669 में औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़कर जबरन मस्जिद निर्माण की बात कही।

ज्ञानवापी मामले की एक और हिंदू वादी ने कहा कि उनका विश्वास है कि यह स्थल मंदिर है और वे उसी पक्ष में अपनी बात रख रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट या दूसरा पक्ष स्वीकार कर मंदिर वापस कर दे, तब कोई विवाद नहीं रहेगा। साहू ने कहा कि हिंदू पक्ष हमेशा न्यायालय के आदेशों का सम्मान करता है और वे स्वयं समझौते के पक्ष में हैं, लेकिन जिसे वे मंदिर मानते हैं, उसे मस्जिद नहीं कह सकते।

## किसानों के लिए आफत, मानसून की कमी और अधिकारियों की लापरवाही ने बढ़ाई टेंशन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मानसून में कमी के कारण नीति-निर्माताओं को खरीफ की बुवाई की चिंता सता रही है। इसी बीच, सांख्यिकी मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट में फसल के रकबे और खाद्य उत्पादन पर नजर रखने वाले कृषि डेटा कलेक्शन सिस्टम में भारी कमियां मिली हैं। जमीनी स्तर के डेटा का इस्तेमाल कृषि लागत और मूल्य आयोग उत्पादन लागत का हिसाब लगाने और राष्ट्रीय स्तर पर अनुमान तैयार करने के लिए करता है। सरकार इन अनुमानों के आधार पर खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम फैसले लेती है, जैसे कि महंगाई को काबू करने के लिए निर्यात पर रोक लगाना, आयात शुल्क में बदलाव करना या आपातकालीन बफर स्टॉक जारी करना।

नेशनल लेवल पर रिपोर्ट से पता चलता है कि गिरदावरी जो फसल के आंकड़ों का आधार है और जिसका मतलब है कि गांव के रेवेन्यू अधिकारियों द्वारा फसल की गिनती के लिए की जाने वाली सरकारी जांच, देश के आधे से भी कम हिस्से में समय पर पूरी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 2023-24 के दौरान गिरदावरी पूरी न होने के मामले चिंताजनक रूप से ज्यादा थे। नतीजतन, शुरुआती खरीफ में सिर्फ 43फीसदी सैंपल गांवों में देर से खरीफ के दौरान 46फीसदी में, रबी के दौरान 48फीसदी में और गर्मी के मौसम में 33फीसदी गांवों में ही यह काम समय पर पूरा हो पाया।

पिछले हफ्ते जारी फसल आंकड़ा प्रणाली की समीक्षा नाम की रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी राज्यों में गिरदावरी का काम समय पर पूरा करने के लिए संबंधित राज्य अधिकारियों को उचित कदम उठाने की जरूरत है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 63 फीसदी गांव के नक्शे जो बदले हुए प्लॉट और जमीन के इस्तेमाल की सीमाओं का पता लगाने के लिए जरूरी हैं। इससे पता चलता है कि ये नक्शे शायद निर्माण और शहरीकरण की वजह से हुए बदलावों को सही ढंग से नहीं दिखाते होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुराने नक्शों के इस्तेमाल से सर्वे नंबरों की पहचान करने में दिक्कतें आती हैं। इसलिए नक्शों को नियमित रूप से अपडेट करना जरूरी है।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि औसत पैदावार का आकलन करने और अनाज के कुल उत्पादन का हिसाब लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वैज्ञानिक आधार यानी क्रॉप-कटिंग एक्सपेरिमेंट, ऐसे अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे थे जिन्हें राजस्व अधिकारियों ने यह काम सौंपा था। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में सीसीई की कुल संख्या करीब 12 लाख होने का अनुमान था। झारखंड और उत्तर प्रदेश में 40फीसदी तक सीसीई अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए गए, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में 10फीसदी से ज्यादा सीसीई कनिष्ठ (जूनियर) कर्मचारियों द्वारा किए गए।

# 4 करोड़ का कॉलेज, लेकिन सुविधाएं शून्यः फर्श पर पढ़ने को मजबूर छात्र, चारदीवारी नहीं, परिसर में मवेशियों का कब्जा

**एक साल पहले हुआ था वर्चुअल उद्घाटन, अब शुरू हुआ संचालन तो खुलीं निर्माण और व्यवस्थाओं की पोल, छात्र करेंगे पैदल मार्च कर सौंपेंगे ज्ञापन**

स्मार्ट हलचल | हमीरगढ़

करीब 4 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित हमीरगढ़ राजकीय जनरल कॉलेज भवन तैयार होने के बाद भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में लगभग एक वर्ष तक अधर में लटका रहा।प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 20 दिसंबर 2025 को मांडलगढ़ प्रवास के दौरान कॉलेज भवन का वर्चुअल उद्घाटन किया था,लेकिन आवश्यक सुविधाएं पूरी नहीं होने से भवन का उपयोग शुरू नहीं हो सका।आखिरकार कॉलेज प्रबंधन और सार्वजनिक निर्माण विभाग के बीच औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद 1 जुलाई 2026 से नए भवन में शिक्षण कार्य शुरू किया गया।इससे पहले 2022 से 2026 तक कॉलेज का संचालन टापरिया खेड़ा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के केवल दो कमरों में किया जाता रहा।

### भाजपा मंडल अध्यक्ष ने किया निरीक्षण, सामने आई कई खामियां

गत सप्ताह भाजपा मंडल अध्यक्ष भेरूलाल प्रजापत के नेतृत्व में करीब 10 लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने कॉलेज का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान सामने आई व्यवस्थाओं ने सभी को चौंका दिया।प्रजापत ने बताया कि कॉलेज भवन तो बना दिया गया,लेकिन चारदीवारी तक नहीं बनाई गई,जिसके कारण दिनभर मवेशियों का परिसर में जमावड़ा लगा रहता है।पूरे परिसर में गोबर फैला रहता है।असामाजिक तत्वों ने खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए हैं तथा बाथरूम और टॉयलेट में लगी नल की टोटियां भी चोरी हो चुकी हैं।उन्होंने बताया कि कॉलेज शुरू हुए दो सप्ताह से अधिक समय हो चुका है,लेकिन विद्यार्थियों के बैठने के लिए फर्नीचर तक उपलब्ध नहीं कराया गया।छात्र-छात्राएं फर्श पर बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं।वहीं कॉलेज तक पहुंचने के लिए केवल कच्चा रास्ता है,जिससे बरसात के दिनों में विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

### पेयजल नहीं,पहले करनी पड़ती है गोबर की सफाई

कॉलेज की प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सीमा जाट ने बताया कि कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं का गंभीर अभाव है।पेयजल व्यवस्था नहीं होने से हमीरगढ़ से पानी की कैन मंगवानी पड़ती है।चारदीवारी नहीं होने के कारण परिसर में मवेशी दिनभर घूमते रहते हैं और गोबर कर देते हैं।कई बार विद्यार्थियों को पढ़ाई शुरू करने से पहले परिसर की सफाई करनी पड़ती है,जिससे अध्ययन प्रभावित होता है।

### डंपिंग यार्ड से फैल रही दुर्गंध

प्रथम सेमेस्टर के छात्र रोशन वैष्णव ने बताया कि वर्तमान में कॉलेज में करीब 100 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।कॉलेज परिसर के सामने नगर पालिका द्वारा डंपिंग यार्ड बना दिया गया है,जहां दिनभर मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। इससे पूरे परिसर में दुर्गंध फैलती रहती है और पढ़ाई का माहौल प्रभावित हो रहा है।

### तीन सूत्रीय मांगों को लेकर निकलेगा पैदल मार्च

कॉलेज की समस्याओं को लेकर विद्यार्थियों में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है।आज छात्र हमीरगढ़ बस स्टैंड से शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकालकर नगर पालिका पहुंचेंगे,जहां हमीरगढ़ प्रशासक को तीन सूत्रीय मांगपत्र सौंपकर समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग करेंगे।

### नोडल अधिकारी बोलीं—जल्द होगा समाधान

कॉलेज की नोडल अधिकारी प्रतिभा राय ने बताया कि कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं की कमी का मामला उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाया गया है।संबंधित विभागों से लगातार संपर्क किया जा रहा है और जल्द ही सभी समस्याओं के समाधान की उम्मीद है।

**भीलवाड़ा में महिला कांग्रेस की बैठक**

## 'महिला आरक्षण आज करो, अभी करो' अभियान का शंखनाद

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह एवं राजस्थान प्रभारी दीप्ति सिंह के निर्देशन में बुधवार को भीलवाड़ा जिला मुख्यालय पर महिला कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुशीला ने की, वहीं प्रदेश सचिव एवं भीलवाड़ा जिला सह-प्रभारी सुलक्षणा शर्मा एडवोकेट विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

**बूथ स्तर तक मजबूत होगा संगठन, खाली पद जल्द भरे जाएंगे**

बैठक को संबोधित करते हुए जिला सह-प्रभारी सुलक्षणा शर्मा एडवोकेट ने कहा कि संगठन की असली ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं। भीलवाड़ा में बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत व सक्रिय बनाया जाएगा। संगठन विस्तार के तहत जल्द ही रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी और अधिक से अधिक नई महिलाओं को कांग्रेस की रीति-नीति से जोड़कर संगठन को गति दी जाएगी।

'महिला आरक्षण लागू करो' अभियान के तहत लिखे पोस्टकार्ड

बैठक के दौरान 'महिला आरक्षण लागू करो - आज करो, अभी करो' अभियान के तहत पोस्टकार्ड एवं हस्ताक्षर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस मौके पर उपस्थित महिलाओं ने देश के प्रधानमंत्री के नाम पोस्टकार्ड लिखकर महिला आरक्षण को बिना किसी देरी के तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग उठाई।

**21 जुलाई को 'संसद घेराव' के लिए भीलवाड़ा से कूच करेंगी महिलाएं**

आगामी 21 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'चलो दिल्ली - संसद घेराव' आंदोलन को सफल बनाने के लिए बैठक में विस्तृत रणनीति तैयार की गई। सुलक्षणा शर्मा ने बताया कि भीलवाड़ा जिले के प्रत्येक ब्लॉक और बूथ स्तर से महिलाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर दिल्ली कूच करने का संकल्प लिया।

## बड़ी खबरः हाईवे के गड्ढे बने मौत का कारण, स्विफ्ट कार की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की दर्दनाक मौत

स्मार्ट हलचल

**मोड़ का निंबाहेड़ा।** आसींद थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात्रि को एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा ब्राह्मणों की सरेरी कस्बे के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-158 स्थित पुलिया पर हुआ, जहां हाईवे पर बने गहरे गड्ढे को बचाने के प्रयास में एक स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बाइक से टकरा गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पालड़ी निवासी कमलेश पुत्र नारायण बलाई, बिहार के छपरा निवासी भूरा उर्फ निजाम खान तथा

बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी बृजेश सहनी पुत्र भूषण सहनी भीलवाड़ा में कैटरिंग का कार्य करते थे। मंगलवार देर रात्रि को कार्य समाप्त कर तीनों बाइक से पालड़ी की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान आसींद से भीलवाड़ा की ओर जा रही स्विफ्ट डिजायर कार ने उन्हें टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था कि कमलेश बलाई और निजाम खान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल बृजेश सहनी ने भीलवाड़ा अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

### हाईवे के गड्ढों पर फिर उठे सवाल

स्थानीय लोगों के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-158 के इस हिस्से पर पुलिया के पास लंबे समय से बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। मृतक के परिजननो द्वारा थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि कार चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और नियंत्रण खो बैठा, जिससे यह भीषण हादसा हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि हाईवे पर बने इन गड्ढों के कारण पिछले दो वर्षों में 10 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा अब तक स्थायी मरम्मत नहीं कराई गई।

### परिवार में पसरा मातम

हादसे की सूचना मिलते ही पालड़ी गांव सहित मृतकों के परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। कमलेश बलाई चार भाइयों में सबसे छोटे थे। अचानक हुई इस दुर्घटना से परिवारों में कोहराम मच गया। आसींद थाना पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया । पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

## कंचन इंडिया लिमिटेड में हादसाः टीन शेड गिरने से मजदूर की मौत, मुआवजे की मांग को लेकर फैक्ट्री के बाहर श्रमिकों और ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल | मांडल (भीलवाड़ा)

मांडल कस्बे के नानकपुरा गांव स्थित कंचन इंडिया लिमिटेड में बुधवार को एक हादसे में बालेसरिया पंचायत निवासी लादू लाल बेरवा की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लादू लाल बेरवा फैक्ट्री में मजदूरी का कार्य कर रहा था। इसी दौरान कपड़े के गोदाम की छत पर लगा एक टीन शेड गिर गया, जिसकी चपेट में आने से उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। हादसे की खबर फैलते ही फैक्ट्री के बाहर बड़ी संख्या में मजदूर, ग्रामीण और मृतक के परिचित एकत्र हो गए। लोगों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा

देने की मांग करते हुए फैक्ट्री गेट पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना की सूचना पर मांडल थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा भीड़ को समझाइश देकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। उल्लेखनीय है कि कंचन इंडिया लिमिटेड के सामने ही मांडल थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी स्थित है, जिसके पुलिसकर्मी भी तत्काल मौके पर पहुंच गए।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। हादसे के कारणों और अन्य तथ्यों का खुलासा जांच तथा आगे की कार्रवाई के बाद ही हो सकेगा। मृतक के शव को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया लेकिन इस दौरान कंचन इंडिया लिमिटेड में मजदूर की मौत के बाद मुआवजे और न्याय की मांग को लेकर ग्रामीणों व मजदूरों ने फैक्ट्री गेट पर प्रदर्शन शुरू कर दिया और लादू लाल को न्याय दो न्याय दो के नारे लगाए । मौके पर तैनात पुलिस व प्रशासन ने समझाइश की और वार्ता का दौर चलता रहा । श्रमिक सहित ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे । इस बीच शाहपुरा विधायक प्रत्याशी नरेंद्र रैगर मौके पर पहुंचे और सड़क पर बैठ गए और वार्ता ने शामिल होकर न्याय की मांग की । घंटो समझाइश के बाद परिजनों को फैक्ट्री प्रबंधन ने 12.50 लाख का चेक दिया, साथ ही परिवार वालो को आर्थिक सहायता हर वर्ष चालीस हजार ओर बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी लेने के बाद मामला शांत हुआ और प्रदर्शन खत्म हुआ।

## अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने संभाला कार्यभार, सीईओ सिटी के देखेंगे कार्य

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

हाल ही में जिला पुलिस अधीक्षक

सागर राणा ने कई उप निरीक्षक और निरीक्षक का तबादला किया था। जिसमें तत्कालीन सीओ सिटी एएसपी पारसमल जैन का जयपुर स्थानांतरण कर दिया था और उनके स्थान पर शाहपुरा से एएसपी राजेश आर्य को भीलवाड़ा मुख्यालय पर लगाया गया । बुधवार को शुभ मुहूर्त में नए वृताधिकारी राजेश आर्य ने पदभार ग्रहण किया वह पूर्व मे सीओ सदर पद पर भी सेवाएं दे चुके है । वही एएसपी आर्य के कार्यभार संभालने के साथ ही पारस जैन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को जयपुर के लिए रिलीव कर दिया गया।

## पंचायत चुनाव में देरी के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट सख्त, चुनाव आयुक्त और ओबीसी आयोग के सचिव को किया तलब

स्मार्ट हलचल | जयपुर

राजस्थान में पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों में हो रही देरी का मामले में हाईकोर्ट सख्त है. राज्य सरकार ने चुनाव की समय सीमा बढ़ाने के लिए हाईकोर्ट में आवेदन दायर किया था. सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा और अभिषेक सिंह देवंदा ने पक्ष रखा. कोर्ट ने उनके तर्कों से सहमति जताते हुए चुनाव प्रक्रिया में हो रही देरी पर कड़ी टिप्पणी की।

### बार-बार समय सीमा बढ़ाने की मांग से कोर्ट नाराज

अदालत ने स्पष्ट किया कि बार-बार समय सीमा बढ़ाने की मांग को गंभीरता से नहीं लिया जा सकता. कोर्ट ने साफ किया कि राज्य चुनाव आयुक्त और ओबीसी आयोग के सचिव को कल (16 जुलाई)

दोपहर 2 बजे तक न्यायालय में उपस्थित रहने का आदेश दिया है. अधिकारियों को कोर्ट में यह स्पष्ट करना होगा कि अदालती निर्देशों के बावजूद चुनाव प्रक्रिया में देरी क्यों हो रही है?

हाईकोर्ट की इस सख्ती के बाद अब प्रशासन और राज्य सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती उत्पन्न हो गई है. अब सवाल यह भी है कि अगली सुनवाई में राज्य सरकार को समय मिलेगा या नहीं? जहां राज्य सरकार चुनाव की डेडलाइन बढ़ाने की मांग कर रही है. वहीं, कोर्ट चुनाव प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कोई अन्य कड़ा कदम उठाएगा।

## प्राचीन कुंड प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

उपखंड मुख्यालय पर स्थित ऐतिहासिक प्राचीन कुंड प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार हो रहा । कस्बे के पुराना बस स्टैंड स्थित ऐतिहासिक मान कुंड देखरेख के अभाव में एवं प्रशासनिक उपेक्षा के चलते कुंड में जगह जगह पर पीपल के पौधे उग रहे तथा कुंड के दोनों प्रवेश द्वारा के आसपास की जगह कचरे से अटी पड़ी हुई है। मगर फिर भी प्रशासन द्वारा इस और ध्यान नही दिया जा रहा है।

## शहर में ऑटो चालकों की मनमानी, नियमों की उड़ रही धज्जियां

**प्रशासन की बैठकें बनीं महज खानापूर्ति, धड़ल्ले से दौड़ रहे कई अनफिट ऑटो, बोलने की सभ्यता तक नहीं**

स्मार्ट हलचल | राजेश जीनगर

**भीलवाड़ा।** कहने को तो भीलवाड़ा शहर का दर्जा बढ़कर 'नगर परिषद' से 'नगर निगम' हो चुका है, और टेक्स्टाइल सीटी की सूरत बदलने के भी बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन यहां ज़मीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। शहर के विभिन्न मार्गों पर दौड़ रहे ऑटो के चालक कानून और अनुशासन की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। भीलवाड़ा नगर निगम बनने के बावजूद, यहां के टेंपो चालकों की 'आजादी' ऐसी है कि उन्हें ना तो नियमों की परवाह है और ना ही प्रशासन का कोई खौफ। शहर की सड़कों पर इन दिनों यातायात नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। विभिन्न मार्गों पर ऑटो चालक न केवल बिना यूनिफॉर्म के धड़ल्ले से वाहन दौड़ा रहे हैं, बल्कि नियमों को ताक पर रखकर यातायात व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इन ऑटो चालकों को रोकने-टोकने वाला कोई नहीं है, जिससे आमजन की सुरक्षा पर भी

सवालिया निशान खड़े हो गए हैं।

### बैठकों में प्रशासन के निर्देश बेअसर ....

सूत्रों के अनुसार, जिला प्रशासन, यातायात विभाग और जिला परिवहन विभाग की टेंपो यूनियन के साथ कई बार बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों में ऑटो चालकों के लिए यूनिफॉर्म अनिवार्य करने के सख्त निर्देश दिए गए थे, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। प्रशासन के आदेश केवल फाइलों और मीटिंग हॉल तक ही सीमित होकर रह गए हैं, जिसका सीधा खामियाजा शहर की यातायात व्यवस्था को भुगतना पड़ रहा है।

### अनफिट ऑटो और कागजातों का अभाव .....

शहर की सड़कों पर दौड़ रहे कई ऑटो की स्थिति बेहद खस्ताहाल है। इनमें से अधिकांश ऑटो 'अनफिट' श्रेणी में आते हैं, जो न केवल प्रदूषण फैला रहे हैं बल्कि दुर्घटनाओं को भी आमंत्रण दे रहे हैं। इसके बावजूद, चेकिंग के दौरान अधिकतर चालकों के पास वाहन से संबंधित पर्याप्त दस्तावेज तक उपलब्ध नहीं होते। वहीं लगातार हो रही बैठकों के बाद भी नियमों का पालन नहीं होना, संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। शहरवासियों का कहना है कि प्रशासन और परिवहन विभाग की ओर से की जाने वाली बैठकें अब महज 'खानापूर्ति' बनकर रह गई हैं। यदि समय रहते इन पर लगाम नहीं कसी गई, तो शहर में यातायात व्यवस्था और भी बदतर हो सकती है। कई बार सवारियां बैठाने के चक्कर में ये झगड़ालू प्रवृत्ति के चालक अक्सर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं। ऊपर से इनका यह 'अशिष्ट पहनावा' आम जनता, खासकर महिलाओं और छात्राओं के लिए असहज स्थिति पैदा करता है। वहीं जिला प्रशासन वर्षों बाद भी ऑटो चालकों के वर्दी लागु क्यों नहीं करवा पाया, ये बड़ा सवाल है।

## 50 लाख की चोरी का 48 घंटे में पर्दाफाश, बारिया गैंग का शातिर बदमाश गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

कोतवाली थाना पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने शास्त्रीनगर में दिनदहाड़े हुई बड़ी नकबजनी की वारदात को सुलझाते हुए बागरिया गैंग के एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। वारदात का खुलासा पुलिस ने 48 घंटे के भीतर कर दिया । टीम ने इस मामले।में मदन उर्फ राकेश उर्फ फोरिया बागरिया (उम्र 21 वर्ष) को पकड़ा है ।

प्रार्थी हरीश मूलचंदानी निवासीः ए-35, शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा ने घर में चोरी का मामला दर्ज करवाया था। मकान से 332 ग्राम सोने के आभूषण, 100 ग्राम चांदी और 3,70,000 नगद जिसका अनुमानित मूल्य 50 लाख) रु की बड़ी चोरी हुई थी । पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल और ताला तोड़ने वाली टामी जब्त किया है । दिनांक 13 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 1:00 बजे पीड़ित हरीश मूलचंदानी अपने परिवार के साथ घर पर ताला लगाकर अस्पताल गए थे। शाम 5:00 बजे जब वे वापस लौटे, तो घर का ताला

टूटा हुआ मिला और सारा सामान बिखरा पड़ा था। अज्ञात चोरों ने घर से भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पार कर ली थी। पुलिस ने शिकायत मिलते ही बीएनएसएस की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया ओर आरोपी की सघन तलाश कर गिरफ्तार किया । पुलिस ने बताया आरोपी दिन के समय पॉश कॉलोनियों में मोटरसाइकिल से रेकी करते थे। जिन घरों के बाहर ताला लगा दिखाई देता, उन्हें निशाना बनाया जाता था। लोहे की टामी का उपयोग कर तुरंत ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया जाता था। यह त्वरित सफलता जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के आदेशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन व पुलिस उप अधीक्षक सज्जन सिंह के सुपरविजन में मिली। टीम का नेतृत्व कोतवाली थानाधिकारी हनुमान चौधरी ने किया।

### विशेष योगदान देने वाले टीम के सदस्य

जगराम सिंह सउनि, पुलिस थाना कोतवाली, सत्यनारायण शर्मा सउनि, साइबर सेल भीलवाड़ा, समय सिंह कांस्टेबल 1970, कोतवाली, राधेश्याम कांस्टेबल, साइबर सेल इसके अतिरिक्त साइबर सेल के आशीष कुमार मिश्रा (सउनि), पिंटू कुमार (कांस्टेबल) और कोतवाली थाने के अन्य जांबाज कांस्टेबलों ने भी इस ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# एमजी अस्पताल में प्रसूता मौत मामला: परिजनों ने मेडिकल स्टाफ पर एफआईआर की रखी मांग

## कार्रवाई नहीं हुई तो कलेक्ट्रेट पर अनशन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** जिले के सबसे बड़े अस्पताल महात्मा गांधी अस्पताल के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में प्रसूता की मौत के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। मृतका के परिजनों ने बुधवार को भीमगंज थाना पुलिस को लिखित शिकायत देकर अस्पताल के चिकित्सकों व मेडिकल स्टाफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन अनशन किया जाएगा।

पीड़ित जितेन्द्र कुमार जीनगर ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि वह पोटला गांव का निवासी है। उसकी पत्नी संगीता जीनगर को 9 जुलाई 2026 को प्रसव के लिए महात्मा गांधी अस्पताल के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि भर्ती के बाद पूरे दिन तक प्रसूता की समुचित देखभाल नहीं की गई और परिजनों को इलाज के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा।

जितेन्द्र का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद जन्मी नवजात बच्ची को आवश्यक ऑब्जर्वेशन में रखने के बजाय परिजनों के हवाले कर दिया गया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और बाद में उसे उदयपुर रेफर करना पड़ा। वहीं प्रसूता की हालत भी लगातार बिगड़ती गई। अत्यधिक रक्तस्राव होने के बावजूद समय पर प्रभावी उपचार नहीं मिला। बाद में चिकित्सकों ने बच्चेदानी निकालने का निर्णय लिया, लेकिन इसके बावजूद संगीता की जान नहीं बचाई जा सकी। परिजनों का कहना है कि अस्पताल में भर्ती होने से पहले संगीता पूरी तरह सामान्य थी और स्वयं चलकर वार्ड तक गई थी। उनका आरोप है कि चिकित्सकीय लापरवाही के कारण यह दुखद घटना हुई। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी चिकित्सकों और मेडिकल स्टाफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन अनशन शुरू करेंगे।

# भू-माफियाओं ने हड़पा पुश्तैनी मकान, कोर्ट के आदेश पर दर्ज केस में भी पुलिस पर एफआर लगाने का आरोप

## पीड़ित परिवार ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर बुधवार को पुश्तैनी जमीन और मकान पर कब्जे के विरोध में एक पीड़ित परिवार ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद परिवार ने भू-माफियाओं एवं कोटड़ी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक सागर राणा को ज्ञापन सौंपा। पीड़ित परिवार का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि न्यायालय के आदेश पर कोटड़ी पुलिस ने दबाव में प्रकरण तो दर्ज किया मगर उस पर भी एफआर लगा दी। पीड़ित जमनालाल ने बताया कि जावल गांव में उनकी पुश्तैनी जमीन और मकान है, जिसका उपयोग उनके पूर्वजों के समय से उनका परिवार करता आ रहा है। मजदूरी के लिए वह परिवार सहित भीलवाड़ा आ गए थे, जबकि उनकी माता काली देवी गांव स्थित मकान में रहती थीं। माता के निधन के बाद गांव के ही शैतान गुर्जर, सांवर गुर्जर और राधेश्याम गुर्जर पर मकान का ताला तोड़कर अवैध रूप से कब्जा करने का आरोप लगाया गया है।

पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने मकान में रखा गेहूं, खाद्य सामग्री, बर्तन और अन्य घरेलू सामान भी चोरी कर लिया। इस संबंध में उन्होंने कई बार कोटड़ी थाने में शिकायत दी और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि जब पुलिस ने उनकी सुनवाई नहीं करी तो उन्होंने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर कोटड़ी पुलिस ने दबाव में प्रकरण तो दर्ज किया पर आरोपियों से साठगांठ कर उस पर भी एफआर लगा दी।

पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि उन्हें उनकी पुश्तैनी जमीन और मकान का कब्जा दिलाया जाए तथा आरोपियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

# भगवान जगन्नाथ परिवार सहित निकलेंगे नगर भ्रमण पर

स्मार्ट हलचल | कोटा

भगवान श्री जगन्नाथ अपने भ्राता बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथयात्रा के माध्यम से नगर भ्रमण पर निकलेंगे। श्री पारीक पंचायत, कोटा के तत्वावधान में श्रीपुरा स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर से निकलने वाली रथयात्रा के साथ संकीर्तन, महाआरती, नागरिक अभिनंदन सहित विभिन्न आयोजन होंगे। बधुवार को मंदिर में नयानाभिराम झांकी सजाई गई।

पंचायत के प्रवक्ता राहुल पारीक ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2 बजे संकीर्तन से होगा। इसके बाद सायं 5 बजे भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रीपुरा स्थित मंदिर से प्रारंभ होकर कैथूनीपोल, लाल बुर्ज और सुभाष सर्किल मार्ग से होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंचेगी। सायं 7 बजे भगवान जगन्नाथ की महाआरती होगी, जबकि रात्रि 8 बजे महाप्रसाद एवं नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष रासबिहारी पारीक ने बताया कि पंचायत के अध्यक्ष रासबिहारी पारीक ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि कोटा जिला सहकारी होलसेल उपभोक्ता भंडार लिमिटेड के चेयरमैन हरिकृष्ण बिरला होंगे, जबकि अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ममता तिवाडी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

पंचायत के महामंत्री अशोक पारीक ने बताया कि समाज के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. के.के. पारीक को क्लिनिकल कार्डियोलॉजिस्ट्स एंड डायबिटोलॉजिस्ट्स सोसायटी ऑफ इंडिया (ष्ठ्ठष्ठस्ट्ठ) के यूके चैप्टर का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर उनका नागरिक अभिनंदन किया जाएगा।

महिला अध्यक्ष निर्मला पारीक एवं महिला महामंत्री अनिता पारीक ने बताया कि रथयात्रा से पूर्व भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का विशेष पुष्प श्रृंगार किया जाएगा। स्नान, मंगलाचार, नवीन वस्त्र एवं आभूषणों से अलंकृत कर भव्य झांकी सजाई जाएगी। मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा से आलोकित किया जाएगा, जबकि संकीर्तन में श्रद्धालु ढोलक, मृदंग, हारमोनियम, तबला एवं ताल की मधुर ध्वनि के साथ भक्ति रस में सराबोर होंगे। कोषाध्यक्ष विनोद पारीक ने बताया कि विगत 19 वर्षों से निरंतर संचालन किया जा रहा है।

# बड़लियास को तहसील का दर्जा दिलाने की मांग तेज, सौंपा ज्ञापन

**पूर्व प्रधान विजय सिंह ने जनभावनाओं का हवाला देते हुए बड़लियास उप तहसील को पूर्ण तहसील में क्रमोन्नत करने की मांग उठाई**

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** जिले के बड़लियास क्षेत्र को पूर्ण तहसील का दर्जा दिलाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। इस संबंध में पूर्व प्रधान एवं बड़लियास निवासी विजय सिंह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन प्रेषित कर बड़लियास उप तहसील को क्रमोन्नत कर पूर्ण तहसील घोषित करने की मांग की है। ज्ञापन में क्षेत्र की जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया गया है। मुख्यमंत्री के नाम दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम पंचायत बड़लियास, तहसील कोटड़ी, जिला भीलवाड़ा में वर्तमान में उप तहसील कार्यालय संचालित हो रहा है। क्षेत्र की बढ़ती आबादी, प्रशासनिक आवश्यकताओं तथा आमजन की सुविधा को देखते हुए इसे पूर्ण तहसील में क्रमोन्नत किया जाना आवश्यक है। इससे क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए दूरस्थ तहसील कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ज्ञापन में कहा गया है कि बड़लियास क्षेत्र लंबे समय से तहसील का दर्जा मिलने की अपेक्षा रखता है। यदि उप तहसील को पूर्ण तहसील का दर्जा मिलता है तो राजस्व, भूमि रिकॉर्ड, नामांतरण, सीमांकन, जाति, मूल निवास, आय प्रमाण पत्र सहित अन्य प्रशासनिक कार्य स्थानीय स्तर पर ही संपादित हो सकेंगे। इससे आमजन का समय और धन दोनों की बचत होगी तथा प्रशासनिक कार्यों में भी तेजी आएगी। पूर्व प्रधान विजय सिंह ने बताया कि बड़लियास क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ आसपास के अनेक गांवों का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में यहां तहसील कार्यालय की स्थापना जनहित में आवश्यक है। उन्होंने मुख्यमंत्री से क्षेत्रवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए बड़लियास को शीघ्र पूर्ण तहसील घोषित करने का निर्णय लेने की मांग की। ज्ञापन में विश्वास व्यक्त किया गया कि राज्य सरकार जनहित को प्राथमिकता देते हुए बड़लियास की लंबे समय से लंबित मांग पर सकारात्मक निर्णय लेकर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात देगी। इस मांग को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों में भी उत्साह देखा जा रहा है।

# गी बेटे-बहू पर बुजुर्ग पिता का आरोप, मारपीट कर छीनी जमीन-मकान

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** पिता-पुत्र के रिश्ते को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। जिले की कोटड़ी तहसील के पारोली निवासी 77 वर्षीय बुजुर्ग ने अपने ही कलयुगी बेटे और बहू पर मारपीट, प्रताड़ना और संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया है। अत्याचारों से परेशान बुजुर्ग ने बुधवार को जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़ित उदयलाल खाती ने बताया कि उसका पुत्र देवकिशन सुथार और पुत्रवधू सदू देवी आए दिन उसके साथ मारपीट करते हैं। उनका आरोप है कि पूर्व में बेटे द्वारा की गई बेरहमी से पिटाई के कारण उनकी दाहिनी आंख की रोशनी पूरी तरह चली गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इससे पहले आरोपी ने अपने दादा हीरालाल के सिर पर डंडे से हमला किया था, जिसके कुछ समय बाद उनकी मृत्यु हो गई।

पीड़ित का कहना है कि आरोपी बेटे ने जबरन उनका मकान, जमीन और आरा मशीन अपने कब्जे में ले ली तथा उन्हें घर से बाहर निकाल दिया। इतना ही नहीं, पेंशन या मजदूरी के जो पैसे उन्हें मिलते हैं, बेटा उन्हें भी छीन लेता है। विरोध करने पर झूठे मुकदमों में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी जाती है। बीच-बचाव करने पर पोते घनश्याम को भी प्रताड़ित किया जाता है।

पीड़ित बुजुर्ग का आरोप है कि पारोली थाने में उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर जान-माल की सुरक्षा उपलब्ध कराने और आरोपी बेटे-बहू के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

# 13 सूत्रीय मांगों को लेकर निजी स्कूल संचालकों का कलेक्ट्रेट पर उग्र प्रदर्शन, 10 दिन में समाधान नहीं हुआ तो प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** जिला कलेक्ट्रेट के बाहर बुधवार को निजी स्कूल संचालकों ने जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। संचालकों ने आरटीई के लंबित भुगतान, निरीक्षण व्यवस्था में सुधार और प्रशासनिक प्रताड़ना बंद करने की मांग उठाई। इससे पहले जिलेभर के निजी स्कूलों ने अपनी मांगों के समर्थन में एक दिवसीय सांकेतिक बंद रखा। साथ ही चेतावनी दी कि यदि 10 दिनों के भीतर मांगें नहीं मानी गईं तो राज्यव्यापी उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा।

भीलवाड़ा जिला निजी स्कूल संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष पंकज प्रजापत ने बताया कि गैर-सरकारी (निजी) विद्यालयों के साथ की जा रही दमनकारी नीतियों, प्रशासनिक प्रताड़ना और राइट टू एजुकेशन (आरटीई) के तहत लंबित भुगतान के विरोध में जिले के सभी निजी स्कूल पूरी तरह बंद रहे। आंदोलन के तहत मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन भी सौंपा गया। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षा विभाग और राज्य सरकार गैर-सरकारी शिक्षण संस्थानों के प्रति अपना दमनकारी रवैया तुरंत बंद नहीं करती और लंबित समस्याओं का समाधान नहीं करती, तो प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट में आ सकती है। इसलिए सरकार को जल्द से जल्द निजी स्कूलों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

# भ्रष्टाचार पर एसीबी का सख्त संदेश: स्थापना दिवस पर शिकायतकर्ताओं का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) राजस्थान के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भीलवाड़ा एसीबी प्रथम की ओर से विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में एसीबी यूनिट कार्यालय में 'संवाद एवं सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत करने वाले परिवादियों का सम्मान किया । इस दौरान भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और शिकायत प्रक्रिया को सरल बनाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा भी हुई।

भीलवाड़ा एसीबी प्रथम के पुलिस उपाधीक्षक पारसमल ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर आम नागरिकों और एसीबी के पूर्व परिवादियों को आमंत्रित कर उनसे संवाद किया गया तथा उनका सम्मान किया गया। उन्होंने बताया कि 12 से 18 जुलाई तक जन-जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत यूआईटी, डीटीओ कार्यालय, विभिन्न सरकारी कार्यालयों, खान विभाग तथा शाहपुरा कॉलेज में जागरूकता अभियान चलाया गया।

उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि कोई लोक सेवक रिश्वत मांगता है या भ्रष्टाचार में लिप्त है, तो उसकी शिकायत एसीबी के व्हाट्सएप हेल्पलाइन, टोल-फ्री नंबर या सीधे एसीबी कार्यालय में आकर दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ राजस्थान सरकार और एसीबी की 'जीरो टॉलरेंस' नीति है, इसलिए किसी भी भ्रष्ट लोक सेवक के खिलाफ शिकायत करने में भय या संकोच नहीं करें। एसीबी हमेशा आमजन के साथ खड़ी है।

बैठक के दौरान राजेश कुमार आर्चाय (उपनिरीक्षक), रामपाल तेली (सहायक उपनिरीक्षक),खालिद हुसैन (हेड कांस्टेबल),गजेंद्र सिंह (हेड कांस्टेबल)

# महिला आईटीआई में नये सत्र के लिए प्रवेश प्रारम्भ

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1988 से छात्राओं एवं महिलाओं को रोजगारपरक व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से भीलवाडा मुख्यालय पर संचालित राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, में नवीन सत्र 2026-2027 के लिए केन्द्रीकृत ऑनलाईन प्रवेश प्रारम्भ हो गये है। इस संबंध में महिला औ0प्र0स0 भीलवाडा में पिछले वर्ष से प्रारम्भ हुवे नये व्यवसाय कोस्मेटोलॉजी, कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट तथा फैशन डिजाईनिंग एण्ड टेक्नोलोजी में युवतियों का अत्यधिक रूझान होने के कारण दो-दो यूनिटो में स्वीकृत सीटो पर शत प्रतिशत प्रवेश हो रहे है। संस्थान में इन नये व्यवसायों के लिए राज्य सरकार द्वारा हाईटेक कार्यशालाओं का निमार्ण कराया गया है तथा कार्यशालाएं अत्याधुनिक साजो सामान एवं उपकरण से सुसज्जित है। संस्थान के अधीक्षक श्रीमती रचना अग्रवाल ने बताया कि सत्र 2026-2027 में प्रवेश के लिए सैकण्डरी/आठवीं उत्तीर्ण ईच्छुक छात्राएं एवं महिलाएं एनसीवीटी (राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद) योजनान्तर्गत कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट-एक वर्षीय, कोस्मेटोलॉजी (ब्यूटीपार्लर)-एक वर्षीय, फैशन डिजाइनिंग एण्ड टेक्नोलॉजी-एक वर्षीय स्वीकृत, स्टेनोग्राफर एण्ड सेक्रेटियल असिस्टेन्ट (हिन्दी)-एक वर्षीय, मैकेनिक इलेक्ट्रोनिक्स- दो वर्षीय कुल, स्वीइंग टेक्नोलोजी-एक वर्षीय व्यवसायों में प्रवेश लेकर व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर सकती है जो कि सभी श्रेणी की युवतियों के लिए निःशुल्क है। ऑनलाइन प्रवेश की अंतिम तिथि 23 जुलाई है। राज्य सरकार द्वारा केवल महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शुल्क पूर्ण रूप से समाप्त करते हुए निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं जिसमें प्रशिक्षण के दौरान कार्य योग्य सामग्री भी संस्थान द्वारा राज्य सरकार के नॉमर्स के अनुसार उपलब्ध करायी जाएगी।

# डीजे की धुन पर नाचते-झूमते श्रद्धालुओं के साथ निकली दौलपुरा बालाजी की 8वीं विशाल पदयात्रा

स्मार्ट हलचल

**जहाजपुर।** पंडेर क्षेत्र के प्रसिद्ध श्री दौलपुरा बालाजी धाम की 8वीं विशाल पदयात्रा बुधवार को श्रद्धा, उत्साह और भक्ति के माहौल में निकाली गई। पदयात्रा में महिला, पुरुष और बच्चों ने डीजे पर बज रहे भजनों की धुन पर नाचते-झूमते भगवान बालाजी के जयकारे लगाए। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे पर पुष्पवर्षा कर यात्रा को भक्तिमय बना दिया। पदयात्रा को ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप देने के लिए आयोजन समिति पिछले कई दिनों से तैयारियों में जुटी हुई थी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, चिकित्सा, भोजन, पेयजल तथा मार्ग व्यवस्था सहित सभी आवश्यक इंतजाम किए गए, ताकि यात्रियों को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा का अनुभव मिल सके।

डीजे वाहनों के साथ निकली पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रियों का स्वागत किया। साथ ही जलपान, शरबत, फल एवं अन्य प्रसाद का वितरण भी किया गया।

पूरे मार्ग में बालाजी के जयकारों और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। पदयात्रा में बड़ी संख्या में भक्तगण, कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उत्साहपूर्वक शामिल रहे, जिससे पूरा क्षेत्र आस्था और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आया।

# डोडा-चूरा नष्टीकरण पर अफीम किसानों का विरोध, 2 हजार रुपये प्रति किलो मुआवजे की मांग

**सराणा कैंप में किसानों ने ज्ञापन सौंपकर कहा— मुआवजा मिले या खेत में जैविक खाद के रूप में नष्टीकरण की अनुमति दी जाए**

स्मार्ट हलचल | लाडपुरा

तहसील मांडलगढ़ के सराणा स्थित आबकारी विभाग के डोडा-चूरा नष्टीकरण कैंप में मंगलवार को अफीम उत्पादक किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में किसानों ने कैंप प्रभारी को ज्ञापन सौंपते हुए डोडा-चूरा के नष्टीकरण पर प्रति किलो 2,000 रुपये मुआवजा देने की मांग की।

भारतीय किसान संघ के प्रदेश अफीम प्रमुख बद्रीलाल जाट ने कहा कि डोडा-चूरा तैयार करने में किसानों का श्रम और खर्च लगता है। ऐसे में बिना मुआवजे के इसका नष्टीकरण किसानों के लिए घाटे का सौदा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार मुआवजा देने में असमर्थ है तो किसानों को स्वयं के शपथ-पत्र के आधार पर अपने खेतों में डोडा-चूरा का जैविक खाद के रूप में नष्टीकरण करने की अनुमति दी जाए।

किसानों ने स्पष्ट कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक वे डोडा-चूरा का नष्टीकरण नहीं कराएंगे। इस दौरान किसानों ने 'भारत माता की जय' और 'डोडा-चूरा का मुआवजा दो' के नारे लगाकर विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन में सराणा, धामणघट्टी, बरूंदनी, देबीपुरा, नया गांव (सराणा), खाचरोल, जापरपुरा, गोवटा, मानगंज, जगपुरा, श्यामगढ़, फूलजी की खेड़ी, गोविंदपुरा, लाडपुरा, बल्दरखा, फलासिया, कालीखोल और हिंगोनिया सहित आसपास के कई गांवों के सैकड़ों अफीम किसान शामिल हुए।

इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के प्रदेश अफीम आयाम प्रमुख बद्रीलाल जाट, जिला प्रचार प्रमुख श्यामलाल सुथार, तहसील अध्यक्ष लालाराम गुर्जर, तहसील मंत्री धनराज कुमावत, रामेश्वर जाट, हरिलाल जाट, जगदीश जाट, बालू धाकड़, सांवरमल जाट, गोपाल धाकड़ सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

# माया ने राष्ट्रीय कुश्ती में जीता कांस्य, अंजलि का पुलिस में चयन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाड़ा की दो बेटियों ने एक साथ शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। एक बेटी ने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर गौरव बढ़ाया तो दूसरी ने खेल कोटे से सरकारी नौकरी हासिल की।

माया ने दिलाया कांस्य पदक

केसरी नंदन व्यायाम शाला के अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती प्रशिक्षक जगदीश जाट ने बताया कि हरियाणा के एमडीयू खेल परिसर, रोहतक में 10 से 12 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय अंडर-23 सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता में भीलवाड़ा की माया पहलवान ने 72 किलोग्राम भार वर्ग में भाग लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। माया ने राजस्थान को कांस्य पदक दिलाकर जिले को गौरवान्वित किया।

व्यायाम शाला की ही राष्ट्रीय पदक विजेता पहलवान अंजलि साहू का खेल कोटे से राजस्थान पुलिस में चयन हुआ है। अंजलि ने कड़ी मेहनत से सरकारी सेवा प्राप्त कर अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनी है।प्रशिक्षक जगदीश जाट ने बताया कि इससे पहले भी व्यायाम शाला की मनीषा माली का भारतीय सेना में स्पोर्ट्स कोटे से चयन हो चुका है ।

संघ और गणमान्यों ने दी बधाई

इस उपलब्धि पर राजस्थान कुश्ती संघ के प्रधान राजीव दत्ता और महासचिव उम्मेद सिंह झांझरिया ने दोनों खिलाड़ियों को हर सुविधा देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि राजस्थान कुश्ती संघ हमेशा खिलाड़ियों के साथ है। केसरी नंदन व्यायाम शाला के संरक्षक राधेश्याम बहेड़िया अध्यक्ष सुवाल जाट नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक, सचिव अरुण शर्मा, कोषाध्यक्ष महेश पांडे, भारतीय रेलवे के डिप्टी सीटीआई रतनलाल जाट, जिला खेल अधिकारी हेमेंद्र सिंह राणावत सहित कई गणमान्य लोगों ने दोनों पहलवानों और प्रशिक्षक जगदीश जाट को बधाई दी।

# आचार्य निपुणरत्न सूरीश्वरजी म.सा. के चातुर्मास नगर प्रवेश पर उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

## पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने लिया आशीर्वाद, कांग्रेस परिवार ने किया भावभीना बहुमान

स्मार्ट हलचल

**निंबाहेड़ा।** निंबाहेड़ा नगर बुधवार को धर्म, आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना के अनुपम संगम का साक्षी बना, जब जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में आचार्य देव श्री निपुणरत्न सूरीश्वरजी म.सा. एवं साध्वी प्रवरा श्री अर्हत रेखा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-5 के पावन चातुर्मास नगर प्रवेश के अवसर पर भव्य एवं ऐतिहासिक चल समारोह निकाला गया। हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने आदर्श कॉलोनी स्थित श्री राजेन्द्रसूरी ज्ञान मंदिर पहुंचकर आचार्य भगवंत के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने आचार्यश्री से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति, सद्भावना एवं जनकल्याण की मंगलकामनाएं कीं।

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से कांग्रेस परिवार ने आचार्य देव श्री निपुणरत्न सूरीश्वरजी म.सा. का श्रद्धा एवं सम्मानपूर्वक बहुमान किया। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बंशीलाल राइवाल एवं जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा ने श्रीफल एवं अक्षत अर्पित कर आचार्य भगवंत का सम्मान किया तथा धर्मलाभ प्राप्त किया।





### भक्ति, श्रद्धा और धर्म जयघोषों से गूंजा नगर

सरकारी बाग स्थित परशुराम सर्कल पर चल समारोह में जैन समाज के श्रावक-श्राविकाएं, युवा, महिलाएं एवं धर्मप्रेमी नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। मंगल ध्वनियों, नवकार मंत्र के उच्चारण, धर्म जयघोषों एवं भक्ति गीतों के बीच निकली शोभायात्रा का विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया।

इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बंशीलाल राइवाल,जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा, नगर कांग्रेस कमेटी संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी, जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव मनोज पारख,नुसरत खान,पूर्व पालिका उपाध्यक्ष परवेज़ अहमद, जिला कांग्रेस एसटी प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनोहर सिंह मीणा,जिला फुटबॉल संघ उपाध्यक्ष जकी अहमद, स्थानीय निकाय विभाग नगर अध्यक्ष राजेश सांड, जिला क्रीड़ा परिषद के पूर्व सदस्य मुकेश पारख, जिला फुटबॉल संघ सचिव फैसल खान, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष मुकेश मेघवाल, चांदमल वीरानी, महासचिव ओमप्रकाश शर्मा, जावेद खान, कांग्रेस प्रवक्ता रवि जाजपुरा, स्थानीय निकाय विभाग जिला सचिव शांतिलाल लाड़ना, बाबू खान मेव, राजेश भानावत, दिनेश बाथरा, हितेश भराड़िया, महावीर जैन, प्रहलाद खटीक, आशुतोष टांक, कांग्रेस कार्यालय प्रभारी ज़ाकिर हुसैन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन, जैन समाज के गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# निजी स्कूल संचालकों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

## 10 दिन में मांगें नहीं मानने पर दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

**रायपुर।** निजी शिक्षण संस्थान, ब्लॉक रायपुर की ओर से बुधवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में गैर सरकारी विद्यालयों के साथ अपनाई जा रही दमनकारी नीतियों पर रोक लगाने और आरटीई से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की गई है। संस्थान ने चेतावनी दी है कि यदि आगामी 10 दिनों के भीतर उनकी जायज मांगों का निस्तारण नहीं किया गया, तो प्रदेश के सभी निजी विद्यालय एक बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

संस्थान द्वारा सौंपे गए 12 सूत्रीय मांग पत्र में मुख्य रूप से निम्न मांगें शामिल हैं: शिक्षा संबलन निरीक्षण व्यवस्था को तुरंत प्रभाव से निरस्त किया जाए। अभिभावकों से 'नो ड्यूज सर्टिफिकेट' के बिना टी. सी. जारी करने की बाध्यता हटाई जाए। आरटीई के तहत प्री-प्राइमरी कक्षाओं का बकाया भुगतान तुरंत शुरू किया जाए। सत्र 2018 से 2021 (कोविड काल सहित) के रुके हुए आरटीई भुगतान के बैरियर्स हटाकर राशि जारी की जाए। आरटीई यूनिट कॉस्ट में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि हो और पुस्तकों की राशि सीधे अभिभावकों के खाते में डाली जाए। बार-बार जांच एवं निरीक्षण के नाम पर स्कूल संचालकों को प्रताड़ित करना बंद किया जाए। निजी स्कूलों के लिए कोई भी योजना बनाते समय स्कूल संगठनों से विचार-विमर्श जरूर किया जाए।

स्कूल संचालकों का कहना है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के विपरीत जाकर निजी शिक्षण संस्थानों की प्रशासनिक और शैक्षणिक स्वायत्तता को सीमित कर रही है। ज्ञापन सौंपते समय संगठन के अध्यक्ष सहित रायपुर ब्लॉक के कई निजी स्कूलों के संचालक एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# सैय्यद मख्दुम अशरफ जहांगीर सिमनानी का 640वां दो दिवसीय उर्स सम्पन्न

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

शहर के ख़ानकाहे अशरफिया, छीपा मोहल्ला में सैय्यद मख्दुम अशरफ जहांगीर सिमनानी रदियल्लाहो अन्हु का 640वां दो दिवसीय उर्स अकीदत और धार्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। उर्स का आयोजन सज्जादानशीन हाजी मौलाना मोहम्मद यूसुफ अशरफी की सरपरस्ती एवं शहर काज़ी अल्हाज अब्दुल मुस्तफा चिश्ती करीमी की सदारत में किया गया।

उर्स के पहले दिन ईशा की नमाज के बाद ख़ानकाहे अशरफिया में महफिले मिलाद शरीफ का आयोजन हुआ। इस दौरान मौलाना जुनेद अशरफी, मौलाना उमेर अशरफी, जुनैद बरकाती, फैज़ल कादरी और फैज़ अहमद अशरफी ने नात-ए-पाक व मनकबत पेश की। वहीं मौलाना मोहम्मद जुबेर अशरफी अज़हरी ने हजरत मख्दुम पाक की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए जरूरतमंदों की सहायता और मानव सेवा का संदेश दिया।

उर्स के दूसरे दिन दरगाह शरीफ हजरत सैय्यद सरदार अहमद अशरफी में कुरआनख्वानी एवं कुल शरीफ की महफिल आयोजित की गई। कार्यक्रम में नात, मनकबत और कुरआन शरीफ की तिलावत के बाद सज्जादानशीन हाजी मोहम्मद यूसुफ अशरफी ने शिजरा पढ़ा। मौलाना जुबेर अशरफी ने दुरूद ताज पढ़ी तथा शहर काज़ी अब्दुल मुस्तफा चिश्ती और मौलाना जुनेद अशरफी ने ईसाले सवाब पेश किया। अंत में मौलाना मोहम्मद उमेर अशरफी ने देश-दुनिया में अमन, भाईचारे और सभी की खुशहाली के लिए विशेष दुआ कराई। कार्यक्रम का समापन कुल शरीफ की रस्म के साथ हुआ। इस अवसर पर शहर के विभिन्न मस्जिदों के इमाम, उलेमा-ए-किराम एवं बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।

# तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले शुरू करने की मांग, राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत ने किया प्रदर्शन

## मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, 17 जुलाई को संभागीय मुख्यालयों पर आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

तृतीय श्रेणी शिक्षकों के लंबे समय से लंबित स्थानांतरण शुरू करने की मांग को लेकर बुधवार को राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के बैनर तले शिक्षकों ने प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष जयपाल बुरड़क के नेतृत्व में अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामचंद्र खटीक को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर शीघ्र स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू करने की मांग की गई।

जिलामंत्री प्रदीप चौधरी ने बताया कि तृतीय श्रेणी शिक्षक पिछले आठ वर्षों से स्थानांतरण का इंतजार कर रहे हैं, जबकि अन्य संवर्गों के तबादले नियमित रूप से किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश का सबसे बड़ा शिक्षक वर्ग लगातार उपेक्षा का शिकार हो रहा है, जबकि सरकारी योजनाओं को धरातल पर लागू करने में इसी वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।




जिलाध्यक्ष जयपाल बुरड़क ने कहा कि पिछले छह वर्षों से थर्ड ग्रेड से सेकंड ग्रेड की डीपीसी भी लंबित है। उनका आरोप था कि सरकार की कमजोर पैरवी के कारण यह मामला अभी तक सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

जिला उपाध्यक्ष विजेंद्र अवाना ने कहा कि हाल ही में राजनीतिक आधार पर किए गए तबादलों में गंभीर बीमारी से पीड़ित, विधवा, एकल महिला तथा सेवानिवृत्ति के निकट कर्मचारियों को भी प्रभावित किया गया है। इससे प्रदेशभर में शिक्षक-छात्र अनुपात भी असंतुलित हुआ है।

शिक्षक संघ ने सरकार से पारदर्शी एवं स्थायी स्थानांतरण नीति लागू कर नियमित तबादले करने की मांग की। जिलासभाध्यक्ष सुनील यादव ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो 17 जुलाई को प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों पर बड़े स्तर पर प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान जिला कोषाध्यक्ष विकास जांगिड़, जिला संयुक्त मंत्री सचिन मान, संगठन प्रचार मंत्री रामरतन, बेगूं उपशाखा अध्यक्ष प्रताप सिंह हाड़ा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

# अभियान 'साइबर शील्ड' में पुलिस ने किए 02 आरोपी गिरफ्तार

## म्यूल बैंक खाता धारक राहुल बैरागी कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते में डलवाता था साइबर फ्रॉड की राशि

स्मार्ट हलचल

**भवानी मंडी।** भवानी मंडी पुलिस ने साइबर फ्रॉड में म्युल खातों का संचालन करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 जुलाई को 'साइबर शील्ड' अभियान के तहत वीरेंद्र सिंह उ.नि. को सूचना मिली कि राहुल कुमार बैरागी पुत्र श्री सांवलिया बैरागी, उम्र 18 साल, निवासी आंवली कला, थाना भवानी मंडी अपने बैंक खाते का म्यूल बैंक खाते के रूप में उपयोग कर रहा है।

जांच में पाया गया कि उक्त व्यक्ति आमजन के साथ म्यूल बैंक खातों के माध्यम से साइबर फ्रॉड कर लाभ प्राप्त करता है और अपने नाम से खुले हुए बैंक खाते को साइबर फ्रॉड के लिए ही उपयोग में ले रहा है।

इस पर राहुल कुमार के खिलाफ अपराध कई धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के निर्देशन में थाना अधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम



ने तकनीकी विश्लेषण से म्यूल बैंक खाता धारक राहुल कुमार बैरागी व फ्रॉड राशि को नगद रूप में निकाल कर उपयोग करने वाला आरोपी जिशान अली को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की।

गिरफ्तार आरोपी:

राहुल कुमार बैरागी पुत्र सांवलिया बैरागी, जाति बैरागी, उम्र 18 साल, निवासी आंवली कला, थाना भवानी मंडी

जिशान अली पुत्र अब्दुल हलीम, जाति मुसलमान, उम्र 18 साल, निवासी सरकारी कुएं के पास, वार्ड नम्बर-23, भवानी मंडी टीम में शामिल: प्रमोद कुमार पु.नि., वीरेंद्र सिंह उ.नि., तेजेंद्र सिंह कांस्टेबल 1379, हरिराम कांस्टेबल 1258 जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

# राजस्थान प्रांतीय गुर्जरगौड़ ब्राह्मण सभा में गंगापुर के राकेश व्यास को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

स्मार्ट हलचल

**गंगापुर।** राजस्थान प्रांतीय गुर्जरगौड़ ब्राह्मण सभा ने गंगापुर निवासी राकेश व्यास को प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। संगठन की ओर से जारी नियुक्ति पत्र में उनकी संगठन के प्रति निष्ठा, समर्पण, सक्रिय कार्यशैली एवं नेतृत्व क्षमता को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नियुक्ति पत्र के अनुसार संगठन को विश्वास है कि राकेश व्यास अपने अनुभव एवं समाज सेवा की भावना के साथ संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह नियुक्ति 13 जुलाई 2026 से प्रभावी मानी गई है।

राकेश व्यास के मनोनयन पर समाज के पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

राजस्थान प्रांतीय गुर्जरगौड़ ब्राह्मण सभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष योगेश कुमार व्यास एवं प्रदेश महामंत्री मुकेश त्रिपाठी के हस्ताक्षर से यह नियुक्ति पत्र जारी किया गया है।

# नाथद्वारा सराय के झूलेलाल मंदिर में सिंधी समाज ने मनाया ज्येष्ठ मास चंद्र उत्सव

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

बुधवार शाम को शहर के नाथद्वारा सराय स्थित पूज्य हेमराज मल भगत झूलेलाल सनातन मंदिर में बड़ी संख्या में सिंधी समाज जनों ने एकत्र होकर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर पूर्ण आस्था और हर्षोल्लास के साथ ज्येष्ठ चंद्र उत्सव मनाया.

इस दौरान श्रद्धालुओं ने झूलेलाल भगवान के गगनभेदी जयकारे लगाकर वातावरण धर्म मय कर दिया।

सिंधी समाज के मीडिया प्रभारी मूल चंद बहरवानी ने बताया कि कार्यक्रम हेमराज मल साहब सेवा समिति के तत्वावधान व मंदिर के महंत टेऊं राम भगत के सानिध्य में आयोजित किया गया.

उत्सव की शुरुआत विभिन्न वाद्य यंत्रों पर भगवान झूलेलाल व मातेश्वरी भगवती को समर्पित धार्मिक भजन कीर्तन किया गया.

महंत टेऊं राम, पप्पू भगत, हेमंत भगत व नवीन भगत आदि ने भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किए।

संस्थाध्यक्ष गुलशन कुमार विधानी के अनुसार इस दौरान मंदिर समिति व श्रद्धालुओं की ओर से सिंधी समाजजनों का सामूहिक अभिनंदन किया गया.




संस्था के उपाध्यक्ष महेश खोतानी के अनुसार कार्यक्रम में पवित्र ज्योत जलाकर व पुष्प वर्षा कर विधिवत पूजार्चना की गई. आज इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक बंदनवारों और पुष्प मालाओं से सजाया गया था।

इस दौरान हेमंत भगत, सीमा भगत, नवीन भगत, काली भगत आदि के सुमधुर भजनों पर श्रद्धालु उत्साह से झूम उठे। बाद में सिंधी समाज जनों ने परंपरागत छेज भी खेला. श्रद्धालुओं ने खुशी से लयबद्ध छेज भी खेला। बाद में महाआरती कर पल्लव अरदास कर देश व सिंधी समाज की खुशहाली की कामना की गई। उत्सव के सुखद समापन पर उपस्थित भक्तजनों ने आयोलाल झूलेलाल बेड़ा ही पार व सनातन धर्म की जय के गगनभेदी जयकारे लगाकर्त वातावरण को भक्ति पूर्ण बना दिया।

अंत में श्रद्धालुओं को ज्येष्ठ मास की पूजा के प्रतीक सिवइंया, जामुन, आम, पानी पूरी व विभिन्न मौसमी फलों से युक्त हथ प्रसादी वितरित की गई।

इस अवसर पर नानक राम जेठानी, हीरा लाल गुरनानी, अशोक केवलानी, चीजन दास फतनानी, खेम चंद ठारवानी, वासु देव मगनानी, चंद्र प्रकाश तलसानी, लेख राज, लाल भगत, भगवती भगत, तारा चंद ओडवानी, पूजा भगत, हर्षा जुरानी, हीरा झुरानी, सरला खोतानी, धरमू भगत, ओम प्रकाश बाबानी, नेहा खोतानी, जितेन्द्र, दिव्या भगत, कोमल चावला, दीपा जेठानी, दिव्या खोतानी, वर्षा सखरानी व हर्षिता विधानी सहित सैंकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

# तुलसीवाला गांव में फिर दिखा टाइगर,ग्रामीणों में दहशत

स्मार्ट हलचल | बानसूर

नारायणपुर क्षेत्र के तुलसीवाला गांव में बुधवार सुबह खेतों के पास टाइगर दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सुबह करीब 10 बजे खेतों की ओर जा रहे लोगों ने टाइगर का मूवमेंट देखा और तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम, स्थानीय पटवारी और पुलिस मौके पर पहुंची तथा क्षेत्र में निगरानी शुरू कर दी। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे टाइगर के पास जाने या उसे घेरने का प्रयास न करें और दिखाई देने पर तुरंत सूचना दें। ग्रामीणों को खेतों और जंगल की ओर अकेले नहीं जाने तथा बच्चों को बिना निगरानी बाहर नहीं भेजने की सलाह दी गई है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले भी इसी क्षेत्र में टाइगर ने किसान की भैंसों पर हमला कर दो भैंसों को मार दिया था, जबकि तीन भैंसें लापता हो गई थीं। फिलहाल वन विभाग लगातार टाइगर की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

# नवागत प्राचार्य राजेश डांगी का एनएसयूआई ने किया स्वागत

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, निंबाहेड़ा में नवागत प्राचार्य राजेश डांगी के पदभार ग्रहण करने पर बुधवार को एनएसयूआई परिवार द्वारा उनका आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर छात्र संगठन के पदाधिकारियों ने मेवाड़ी परंपरा के अनुरूप प्राचार्य डांगी को मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर, उपरणा ओढ़ाकर एवं मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

महाविद्यालय परिसर स्थित प्राचार्य कक्ष में आयोजित स्वागत समारोह में एनएसयूआई पदाधिकारियों एवं छात्र प्रतिनिधियों ने नवागत प्राचार्य का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। छात्र नेताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में महाविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन, नवाचार एवं छात्र सुविधाओं का और अधिक विस्तार होगा। एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष दीपक धाकड़ ने कहा कि छात्र संगठन सदैव विद्यार्थियों के हितों एवं शैक्षणिक विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। नवागत प्राचार्य के आगमन से महाविद्यालय में विकास एवं प्रगतिशील कार्यों को नई गति मिलेगी। वहीं ब्लॉक अध्यक्ष भंवर सिंह शक्तावत ने छात्र-शिक्षक समन्वय को मजबूत बनाने तथा विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित समाधान की अपेक्षा व्यक्त की।

इस अवसर पर एनएसयूआई के विधानसभा अध्यक्ष दीपक धाकड़, ब्लॉक अध्यक्ष भंवर सिंह शक्तावत, जिला महासचिव नवरत्न प्रजापत, कृष्णा मीणा, आदित्य जाट, तनीश माली, हर्षित सेन, करण सिंह, सुमित कुमावत सहित एनएसयूआई के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# परमिट एवं फिटनेस समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर प्रदेशव्यापी चक्का जाम

## ट्रांसपोर्ट नगर से आरटीओ कार्यालय तक निकाली गई विशाल ट्रक रैली, सरकार को दी आर-पार की चेतावनी

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

प्रदेश ट्रक एवं ट्रांसपोर्ट संघर्ष समिति के आह्वान पर प्रदेशभर में चल रहे अनिश्चितकालीन चक्का जाम आंदोलन के क्रम में आज उदयपुर में भी आंदोलन को व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। दी उदयपुर ट्रांसपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के प्रवक्ता कुँ. हेमेन्द्र सिंह दवाणा ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान के संरक्षक पुष्पराज मेहता के निर्देशन एवं अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राणावत के नेतृत्व में आंदोलन को सफल बनाने के लिए व्यापक रणनीति बनाई गई। उन्होंने बताया कि उपाध्यक्ष हेमराज डांगी, सचिव मनोहर सिंह राठौड़, कोषाध्यक्ष जगदीश चंद्र पण्डा, सह-सचिव मनप्रीत सिंह तथा समस्त कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा अलग-अलग टीमों का गठन कर उदयपुर शहर एवं आसपास के औद्योगिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में संपर्क अभियान चलाया गया।

इन टीमों ने उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स, मार्बल मंडी, कृषि उपज मंडी, सब्जी मंडी, लघु उद्योग भारती, कलड़वास चेम्बर सहित विभिन्न व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों को ज्ञापन सौंपकर प्रदेशव्यापी आंदोलन की जानकारी दी तथा उनसे सहयोग की अपील की।

संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि जब तक प्रदेशव्यापी आंदोलन जारी रहेगा, तब तक यदि कोई ट्रक मालिक, ट्रांसपोर्टर, औद्योगिक इकाई अथवा फैक्ट्री संचालक माल का परिवहन कराएगा या वाहनों में माल भरवाएगा, तो संगठन द्वारा उस पर 5100 का संगठनात्मक दण्ड लगाया जाएगा ओर उसके प्रतिष्ठान में चूड़ियां ओर आटा, सब्जी भेजी जाएगी । साथ ही ऐसे व्यक्तियों एवं संस्थानों को ब्लैकलिस्ट करते हुए उनके प्रतिष्ठानों के बाहर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रवक्ता कुँ. हेमेन्द्र सिंह दवाणा ने बताया कि आज हजारों ट्रकों की चाबियाँ एकत्रित कर सांकेतिक रूप से परिवहन कार्य पूर्णतः बंद रखा गया तथा लगभग 50 ट्रकों के विशाल काफिले के साथ दी उदयपुर ट्रांसपोर्ट नगर से आरटीओ कार्यालय तक देशभक्ति गीतों के बीच विशाल रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में ट्रक मालिक, ट्रांसपोर्ट व्यवसायी एवं वाहन चालक शामिल हुए और उन्होंने अपनी समस्याओं को प्रशासन के समक्ष मजबूती से रखा।




रैली के उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने आरटीओ एवं डीटीओ अधिकारियों से विस्तृत वार्ता की। संघर्ष समिति के अनुसार अधिकारियों ने स्वीकार किया कि वर्तमान परिस्थितियों में वाहन मालिकों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा लंबे समय से फिटनेस सेंटर बंद रहने एवं व्यवस्थागत कमियों के कारण वाहन स्वामियों पर भारी-भरकम चालान लगाए गए हैं, जिनका भुगतान अधिकांश ट्रक मालिकों के लिए संभव नहीं है।

बैठक के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने तत्काल परिवहन आयुक्त (कमिश्नर परिवहन) से दूरभाष पर संपर्क कर पूरे मामले से अवगत कराया। संघर्ष समिति के अनुसार परिवहन आयुक्त द्वारा आश्वस्त किया गया कि ड्रुरुष्ठ ₹क्क्र लगाने की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ कराई जाएगी तथा परमिट एवं फिटनेस से संबंधित लंबित व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर इसी सप्ताह शुरू कराने के प्रयास किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, फिटनेस सेंटर बंद रहने की अवधि के दौरान परमिट अथवा फिटनेस संबंधी कारणों से बनाए गए चालानों की समीक्षा कर पात्र वाहन मालिकों को राहत प्रदान करने की दिशा में भी कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया गया। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार लिखित रूप से ठोस निर्णय लेकर वाहन मालिकों एवं ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों को राहत प्रदान नहीं करती, तब तक प्रदेशव्यापी चक्का जाम आंदोलन जारी रहेगा। संघर्ष समिति ने यह भी चेतावनी दी कि यदि सरकार शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप देते हुए पूरे प्रदेश में आवश्यक सेवाओं के परिवहन सहित अन्य गतिविधियों को भी चरणबद्ध तरीके से बंद करने पर विचार किया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी राज्य सरकार एवं संबंधित प्रशासनिक तंत्र की होगी।

# भरनी ग्राम पंचायत में विकास कार्यों में अनियमितताओं का मामला गरमाया-जांच रिपोर्ट में स्वीकृत स्थल से हटकर कार्य कराने की पुष्टि

**ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू-प्रशासक मुकेश मीणा के विरुद्ध भी जांच उपरांत उच्चाधिकारियों को भेजा गया पत्र**

स्मार्ट हलचल

**टोंक।** पंचायत समिति टोंक क्षेत्र की ग्राम पंचायत भरनी में विकास कार्यों में कथित भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं और सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। ग्राम भरनी का झोंपड़ा निवासी नंद किशोर मीणा (एडवोकेट) ने उच्च अधिकारियों को शिकायत भेजकर ग्राम पंचायत में पिछले वर्षों में कराए गए सभी विकास कार्यों की स्वतंत्र तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराने की मांग की है।शिकायत के अनुसार 'बद्री मीणा के बाड़े से भगवान बैरवा के मकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण' (वर्क आईडी-52409594) में स्वीकृत कार्यस्थल से हटकर अन्य स्थान पर निर्माण कार्य कराकर लगभग 4.99 लाख रुपये का भुगतान किए जाने का आरोप लगाया गया है।

### जांच में सामने आया तथ्य

परिवादी के अनुसार पंचायत समिति टोंक द्वारा कराई गई जांच में जांच दल ने पाया कि संबंधित कार्य स्वीकृत स्थल पर नहीं कराया गया। इसके बाद 30 अप्रैल 2026 को ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध आरोप पत्र जारी कर विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रारंभ की गई। वहीं तत्कालीन प्रशासक मुकेश मीणा के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के लिए मामला उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया।

### भुगतान प्रक्रिया पर भी उठे सवाल

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2021-22 के कार्यों का भुगतान वर्ष 2024 में किया गया, जो पंचायत राज नियमों एवं वित्तीय प्रक्रिया के विपरीत प्रतीत होता है।परिवादी का आरोप है कि जांच में अनियमितताएं सामने आने के बावजूद दोषियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हो रही।

### शिकायतकर्ता की प्रमुख मांगें

ग्राम पंचायत भरनी में पिछले वर्षों में हुए सभी विकास कार्यों की स्वतंत्र तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराई जाए।

संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध अब तक की गई विभागीय कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

जांच रिपोर्ट एवं संपूर्ण कार्रवाई की प्रमाणित प्रतिलिपि उपलब्ध कराई जाए।

### विभाग का पक्ष

पंचायत समिति टोंक की खण्ड विकास अधिकारी सविता राठौड़ द्वारा दिए गए निस्तारण जवाब के अनुसार जांच में संबंधित कार्य स्वीकृत स्थल से हटकर अन्य स्थान पर कराया जाना पाया गया।ग्राम विकास अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया, लेकिन उत्तर संतोषजनक नहीं मिलने पर उनके विरुद्ध आरोप पत्र जारी कर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई। साथ ही ग्राम पंचायत भरनी के तत्कालीन प्रशासक मुकेश मीणा के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रकरण उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया है। विभाग का कहना है कि मामले में नियमानुसार कार्रवाई जारी है। यह समाचार शिकायतकर्ता परिवादी द्वारा लगाए गए आरोपों एवं पंचायत समिति टोंक से उपलब्ध विभागीय दस्तावेजों के आधार पर प्रकाशित किया गया है। मामले में अंतिम निर्णय सक्षम प्राधिकारी की जांच एवं आदेश के अधीन रहेगा।

# तबादला सूची को लेकर जयपुर में तिथि निकल जाने के बाद भी हड़कंप,मंत्रीयो के संपर्क न होने से अटकलें तेज

स्मार्ट हलचल

**जयपुर।** राजस्थान में सरकार द्वारा जारी की गई तबादला सूची के बाद से राजधानी जयपुर में सियासी और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। 'तबादला एक्सप्रेस' के खौफ के बीच कई मंत्री अपने बंगलों पर नहीं मिल रहे हैं, और उनके फोन भी बंद बताए जा रहे हैं। इससे अटकलों का बाजार गर्म है।

सूत्रों के अनुसार, तबादला सूची जारी होने के बाद से तबादला प्रक्रिया की अंतिम तिथि बीत जाने के बाद भी जयपुर में अभी भी मंत्रियों के आवासों व शासन सचिवालय के बाहर सरकारी कर्मचारियों, के साथ साथ पार्टी पदाधिकारियों की लंबी कतारें आवागमन देखने को मिल रहा है, अभी भी कतारें लगी हुई हैं। बड़ी संख्या में कर्मचारी अपनी पारिवारिक परिस्थितियों को लेकर और आमजन अपनी फाइलों और सिफारिशों के साथ बंगलों के चक्कर काट रहे हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी के कई विधायकों की सिफारिशें भी इस बार नहीं चल पाने की चर्चा है, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन में निराशा देखी जा रही है।

राजनीतिक गलियारों में इस बात की भी चर्चा है कि कहीं यह तबादला प्रक्रिया आने वाले समय में भाजपा के लिए गले की फांस न बन जाए? कार्यकर्ताओं का मानना है कि अगर विधायकों की ओर से अपने विधानसभा क्षेत्र के कर्मचारियों व जमीनीस्तर के कार्यकर्ताओं पार्टी पदाधिकारियों की सिफारिशों को तवज्जो नहीं मिला तो इसका असर जमीनी स्तर पर नेताओं व पार्टी को देखना पड़ सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या शासन सचिवालय , मुख्यमंत्री कार्यालय से अभी भी तबादला सूची की कोई संशोधित लिस्ट जारी की जाएगी? इसी उम्मीद में जयपुर के मंत्री आवासों के बाहर भीड़ जुटी हुई है और हर कोई नए आदेशों का इंतजार कर रहा है।

प्रदेश भर में इस तबादला प्रक्रिया को लेकर तिथि निकल जाने के बाद भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। पार्टी के भीतर और बाहर दोनों जगह इसे लेकर चर्चाएं तेज हैं। वहीं स्थिति ये भी है सूची और आदेशों को लेकर अंतिम स्थिति निकल जाने के बाद भी क्या अभी भी बेकडेट में ट्रांसफर लिस्टे ज़ारी होगी? या पूर्णतः विराम लग गया है? इसके लिए शासन के आधिकारिक बयान की प्रतीक्षा की जा रही है।

# प्रसुता की मौत के बाद जमकर हुआ हंगामा, लापरवाही का आरोप

स्मार्ट हलचल | पावटा

कस्बे स्थित सिद्धि विनायक हॉस्पिटल में प्रसव के बाद अधिक रक्त स्राव से महिला की मौत के बाद परिजनों ने शव के साथ प्रदर्शन किया। हॉस्पिटल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों ने शव को हॉस्पिटल के बाहर रख कर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। घटना की सूचना पर पावटा उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, डीएसपी सहित प्रागपुरा पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचे और परिजनों से समझाइश की। गौरतलब हैं कि कस्बे स्थित सिद्धि विनायक हॉस्पिटल में बुधवार सुबह उस समय जमकर हंगामा होने लगा जब अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती गीता कंवर पत्नी हितेन्द्र सिंह शेखावत को मंगलवार रात को प्रसव के बाद रक्त स्राव अधिक होने से तबीयत बिगडने पर अस्पताल प्रशासन द्वारा जयपुर रैफर कर दिया गया। परिवारजनों द्वारा जयपुर ले जाते समय महिला की मौत हो गई। जिसके बाद परिवारजन बुधवार को एम्बूलेंस से शव को लेकर सिद्धि विनायक अस्पताल पहुंचे और अस्पताल प्रशासन पर प्रसव के दौरान लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव को अस्पताल के बाहर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रशासन द्वारा काफी समझाइश के बाद जनप्रतिनिधियों के सहयोग से मृतक महिला की बच्चियों के नाम दस लाख रुपये की एफडी पर सहमति बनने के बाद धरना समाप्त किया गया। इस दौरान पूर्व सरपंच नरपत सिंह शेखावत, भाजपा नेता विकास सिंह करौडी, कांग्रेस नेता पूर्व पार्षद जगदीश मीणा, ओपी बायला, समाजसेवी बद्री प्रसाद चौहान, गोपल अग्रवाल, नितिन सिंह शेखावत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

# बेहजम सहकारी समिति में खाद संकट गहराया, घंटों लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे किसान

**पक्षपात के आरोपों से गरमाया मामला, किसानों का दावा— शिकायतों पर भी नहीं हो रही निष्पक्ष कार्रवाई**

स्मार्ट हलचल | मितौली खीरी

धान की फसल के अहम दौर में बेहजम सहकारी समिति पर खाद की लगातार बनी किल्लत ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खाद के लिए रोजाना समिति के चक्कर काट रहे किसान घंटों इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। इससे किसानों में भारी नाराजगी है और उन्होंने वितरण व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं।

समिति पर पहुंचे किसानों का कहना है कि पिछले दो से तीन महीनों से खाद की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है। कई बार आने के बावजूद हर बार उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया जाता है कि सूची में उनका नाम दर्ज नहीं है। किसानों का कहना है कि खेती का समय निकलता जा रहा है, लेकिन उन्हें समय पर खाद नहीं मिल पा रही है, जिससे फसल प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है।

कुछ किसानों ने आरोप लगाया कि खाद वितरण में पक्षपात किया जा रहा है। उनका दावा है कि प्रभावशाली लोगों और कुछ जनप्रतिनिधियों के दबाव में कथित रूप से चुनिंदा लोगों के नाम सूची में शामिल कर खाद का वितरण किया जाता है, जबकि अन्य पात्र किसान वंचित रह जाते हैं।

किसानों का कहना है कि उन्होंने कई बार मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। उनका आरोप है कि शिकायतों का वास्तविक निस्तारण करने के बजाय कागजों पर कार्रवाई पूरी दिखा दी जाती है।

इस संबंध में समिति अध्यक्ष संजय दीक्षित ने बताया कि समिति पर खाद का वितरण टोकन व्यवस्था के अनुसार किया जा रहा है। पक्षपात और शिकायतों के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी लेकर एडीओ सहकारिता से वार्ता की जाएगी तथा यदि किसी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

किसानों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सहकारी समिति पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए, वितरण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए और सभी पात्र किसानों को बिना भेदभाव समय पर खाद उपलब्ध कराई जाए, ताकि खेती-किसानी प्रभावित न हो।

# स्पीड पर पुलिस का 'हंटर', रडार गन की जद में आए रफ्तार के सौदागर

स्मार्ट हलचल | गोला गोकर्णनाथ खीरी

सड़क हादसों पर लगाम कसने के लिए गोला यातायात पुलिस ने बुधवार को किशवापुर-लखीमपुर रोड पर बड़ा अभियान चलाकर तेज रफ्तार वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। स्पीड रडार गन से लैस यातायात टीम ने निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों की मौके पर ही पहचान की और नियम तोड़ने वाले चालकों के चालान काटे। अचानक हुई इस कार्रवाई से ओवरस्पीड वाहन चालकों में हड़कंप मच गया।

उच्च अधिकारियों के निर्देश पर यातायात प्रभारी योगेन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान सीटीपी सौरभ कुमार और सीटीपी लोकेंद्र कुमार ने स्पीड रडार गन के जरिए एक-एक वाहन की गति पर पैनी नजर रखी। जैसे ही कोई वाहन निर्धारित सीमा से अधिक गति में मिला, उसे रोककर नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कई वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित गति से वाहन चलाने की हिदायत भी दी गई।

यातायात प्रभारी योगेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं के पीछे तेज रफ्तार सबसे बड़ा कारण होती है। पुलिस का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाना है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि ओवरस्पीड, लापरवाही और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

किशवापुर-लखीमपुर मार्ग पर आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं को देखते हुए स्थानीय लोगों ने इस अभियान की सराहना की। लोगों का कहना है कि यदि स्पीड रडार गन से नियमित निगरानी होती रही तो तेज रफ्तार पर अंकुश लगेगा, हादसों में कमी आएगी और सड़कें पहले से अधिक सुरक्षित बनेंगी।

'रफ्तार नहीं, जिम्मेदारी चुनिए। स्पीड का रोमांच कुछ पल का होता है, लेकिन एक हादसा पूरी जिंदगी बदल सकता है। यातायात नियमों का पालन करें, सुरक्षित चलें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें। '

# 'नशे को ना कहो सुरक्षित जीवन को हां कहो, नशाः नाश का द्वार है'

स्मार्ट हलचल

वैर तालुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष एवं अपर जिला सेशन न्यायाधीश आशुतोष सिंह आढा द्वारा अग्रवाल बाल निकेतन पब्लिक स्कूल में 'नशाः नाश का द्वार है' एवं कई सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। तालुका विधिक सेवा समिति के सचिव कन्नू जैन ने बताया कि अध्यक्ष महोदय ने विद्यालय में उपस्थित समस्त स्टाफ सदस्यों एवं बच्चों से नशा एक बुरी लत है जो हमें नहीं करना चाहिए, चाहे वह बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, शराब, गांजा, अफीम जैसी वस्तुओं का नशा हो या फिर आजकल चल रहे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नशे के बारे में भ्रामक प्रचार-प्रसार किया जा रहा हो के बारे में बच्चों से रूबरू हुए एवं नशे जैसी बुरी लत को संकल्प के साथ छोड़ने के लिए प्रेरित किया। उपस्थित सभी सदस्यों को बताया कि नशा करने से मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को हानि होती है। नशे की बुरी लत लगने से हमारा भविष्य खराब हो जाता है।

# उत्कृष्ट कार्य करने पर डॉक्टर पंकज यादव जिला स्तर पर सम्मानित

स्मार्ट हलचल | खेतड़ी

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिहोड़ ने स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जिला स्तर पर कई बार सम्मानित हो चुके केंद्र के प्रभारी डॉ. पंकज यादव को विश्व जनसंख्या दिवस पर जिला कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. यादव को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। मातृ-शिशु स्वास्थ्य, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण अभियान, एनसीडी स्क्रीनिंग और समय पर रिपोर्टिंग में श्रेष्ठ कार्य किया गया।विश्व जनसंख्या दिवस पर डॉ. यादव के नेतृत्व में चलाया गया जागरूकता अभियान सराहनीय रहा। इस दौरान गांव-गांव में परिवार नियोजन, किशोर स्वास्थ्य, पोषण और जनसंख्या नियंत्रण पर अनेक कार्य कर एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। हजारों लोगों को संतुलित परिवार और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया गया।

स्थानीय लोगों ने भी डॉ. यादव को बधाई देते हुए कहा कि उनकी वजह से क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं अब पहले से कहीं बेहतर हुई हैं।

# कोटा विश्वविद्यालय ने कृषि पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ाया कदम, एटीडीसी पुणे से पांच वर्षीय समझौता आज

स्मार्ट हलचल | कोटा

पर्यटन एवं आतिथ्य शिक्षा को उद्योग की आवश्यकताओं से जोड़ने की दिशा में कोटा विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कृषि पर्यटन विकास कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एटीडीसी), पुणे के साथ पांच वर्ष के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर करने जा रहा है। इस समझौते लिए पुणे महाराष्ट्र से चलकर भारत में कृषि पर्यटन अवधारणा के जनक के रूप में प्रसिद्ध,महाराष्ट्र सरकार की कृषि एवं ग्रामीण पर्यटन विकास समिति के पूर्व सदस्य पांडुरंग तावरे कोटा पहुंच गए है। कोटा आगमन पर विभागाध्यक्ष पर्यटन एवं आतिथ्य प्रो. (डॉ.) अनुकृति शर्मा ने तावरे का स्वागत किया.

भारत में एग्री टूरिज्म (कृषि पर्यटन) की अवधारणा को नई पहचान देने वाले पांडुरंग तावरे आज देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक सम्मानित नाम हैं। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। भारत में 'फादर ऑफ एग्री टूरिज्म कॉन्सेप्ट' के रूप में प्रसिद्ध पांडुरंग तावरे वर्तमान में एग्री टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। उन्होंने देश में कृषि पर्यटन को एक नई दिशा देते हुए हजारों किसानों को पर्यटन से जोड़कर अतिरिक्त आय का मार्ग प्रशस्त किया है।

प्रो.अनुकृति शर्मा ने बताया कि 16 जुलाई कुलगुरू प्रो. (डॉ.) बी.पी. सारस्वत के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय कोटा व वहीं एटीडीसी पुणे के बीच समझोते से कृषि एवं ग्रामीण पर्यटन, उद्यमिता विकास, प्रशिक्षण, अध्ययन भ्रमण, इंटर्नशिप, शोध तथा रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के संचालन में दोनों संस्थान संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।एमओयू की अवधि प्रारंभिक रूप से पांच वर्ष निर्धारित की गई है।

# भौंरा गांव में ग्रामीणों ने घास भेरूजी महाराज की सवारी निकाली

स्मार्ट हलचल

कोटा। सीमलिया क्षेत्र के भौंरा गांव में अच्छी बारिश के लिए घास भेरूजी महाराज कि संवारी निकालीं और अच्छी बारिश हो सकें और किसानों के चेहरे खिल सके जिसमें उपस्थित गांव में पूर्व सरपंच बंशीलाल मीणा तेजकरण गोतम रामनारायण गोचर जवारीलाल गोचर, मनोज मीणा, ओमप्रकाश मीणा, बलराम मीणा, सत्यनारायण प्रजापत,मनोज टेलर, सोनू मीणा भौंरा, महावीर मेरोठा, रितेश टेलर, जगदीश मीणा, अरविन्द मेहरा, अमन मेरोठा, पवन पारेता,आदि ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

**कोटा में राजस्थान वित्त निगम का मेगा उद्योग प्रोत्साहन शिविर आयोजित, 7.15 करोड़ के ऋण आवेदन प्राप्त**

# राज्य में औद्योगिक विकास के साथ नए रोजगार के अवसर सृजित करना है- निदेशक डॉ. हरसहाय मीणा

स्मार्ट हलचल

**कोटा।** राजस्थान वित्त निगम, शाखा कोटा द्वारा बुधवार को डी. एस. एस. आई एसोसिएशन भवन में एक मेगा औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चला। शिविर में उद्योग स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों को निगम की विभिन्न ऋण एवं वित्तीय सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान उपस्थित इच्छुक उद्यमियों की ऋण पत्रावलियां मौके पर ही तैयार करवाई गईं और आवेदन शुल्क भी जमा कराया गया।

कार्यकारी निदेशक डॉ हरसहाय मीणा ने बताया कि निगम द्वारा उद्योग, होटल, गेस्टहाउस, अस्पताल, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स एवं अन्य सेवा क्षेत्रों की इकाइयों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। निगम विभिन्न विशेष ऋण योजनाएं भी चला रहा है, जिनके तहत रीको द्वारा आवंटित भूमि पर भी ऋण सुविधा दी जा रही है। मीणा ने बताया कि युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पात्र उद्यमियों को 5.50 प्रतिशत ब्याज दर पर 200 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। निगम का उद्देश्य उद्यमियों को वित्तीय सहायता देकर एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देना और राज्य में औद्योगिक विकास के साथ नए रोजगार के अवसर सृजित करना है। उन्होंने बताया कि निगम एनपीए में कमी लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उद्यमियों से निगम की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान भी किया गया।

इस अवसर पर निगम मुख्यालय से उप महाप्रबंधक रविन्द्र, शाखा प्रबंधक अशोक कुमार मौर्य, डी.एस.एस.आई एसोसिएशन के संरक्षक गोविन्द राम मित्तल, अध्यक्ष दीपक मेहता, उपाध्यक्ष नितिन अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी और उद्यमी उपस्थित रहे। आयोजकों के अनुसार शिविर में कुल 7.15.करोड रुपये के ऋण आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इतनी बड़ी संख्या में आवेदन क्षेत्र के उद्यमियों में निगम की योजनाओं के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं।

# भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे को भवानी मंडी से जोड़ने पर सांसद से भेट कर आभार व्यक्त किया

स्मार्ट हलचल

**भवानी मंडी।** भारतीय जनता पार्टी मंडल भवानीमंडी शहर के कार्यकर्ताओ ने दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे से भवानीमंडी को जोड़ने पर झालावाड़ पहुंचकर आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया

राजस्थान की पूर्व यशस्वी मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया एवं झालावाड़-बारां के लोकप्रिय सांसद राजा साहब दुष्यंत सिंह के अथक प्रयासों से केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा भवानीमंडी को *दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेसवे से जोड़ने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इसी उपलक्ष्य में आज सांसद दुष्यंत सिंह के झालावाड़ पधारने पर भारतीय जनता पार्टी मंडल भवानीमंडी शहर के समस्त कार्यकर्ताओं द्वारा झालावाड़ स्थित सांसद कार्यालय पर पहुंचकर सांसद महोदय का भव्य स्वागत, अभिनंदन एवं आभार व्यक्त किया किया।

जिसमें भारतीय जनता पार्टी मंडल भवानीमंडी शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रदीप जैन, ब्रजमोहन धारीवाल, गुरुभेज सिंह छाबड़ा, ओमप्रकाश चतुर्वेदी, रामलाल गुर्जर, विनय पोरवाल, पिंकी गुर्जर, सुरेश करावन, नरेश माधवानी, रशीद भाई चेयरमैन, दुर्गाशंकर यादव, संजय पाटनी, इन्द्रा पाल, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष आफताब चौधरी नीटू, दिनेश मेहर, दिनेश जी सोनी, श्वेता मेहरा, पार्षद राकेश जी पारेता, महेंद्र सिंह परिहार, पुरुषोत्तम योगी, राजकुमार गुप्ता, अमजद खान, विकास योगी, मिथुन वाडिया, बालमुकुंद मीणा, अनुराग मोदी, गिरधरगोपाल शर्मा, लोकेश नामदेव, संजय शर्मा, तूफान सिंह रामठी, रामेश्वर रंगीला, अशोक मिरोलिया, उमेश चौहान, दयाराम गुप्ता, लोकेश चौहान, गिरधारी जी, सत्यनारायण सोनी, हरीश योगी, नारायण सिंह, दिनेश टेलर, असलमुद्दीन, मेहरबान सिंह, रामेश्वर रंगीला, मुकेश जी राठौर, अनवर चौधरी, विनोद जैन, संस्कार पोरवाल, शाश्वत पोरवाल, आशीष पोरवाल, विनोद यादव, जगदीश सोनी, नंदकिशोर विश्वकर्मा, सुरेश वर्मा, श्याम वर्मा, अनवर भाई, प्रदीप सोडानी, कपिल पांचाल, एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# दोहरी शिक्षा नीति और 'शाला संबलन ऐप' के विरोध में सड़क पर उतरे ब्यावर के स्कूल संचालक, मुख्यमंत्री कार्यालय के घेराव की दी चेतावनी

स्मार्ट हलचल

**ब्यावर।** शिक्षा विभाग और राज्य सरकार की कथित 'अव्यावहारिक व दमनकारी' नीतियों के विरोध में बुधवार को 'स्कूल बचाओ संघर्ष समिति, राजस्थान' के आह्वान पर ब्यावर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में निजी शिक्षण संस्थान पूर्णतः बंद रहे। आंदोलन के तहत क्षेत्र के सैकड़ों स्कूल संचालक, संस्था प्रधान और स्टाफ सदस्य सड़कों पर उतरे और रैली निकालकर जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संघर्ष समिति ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि 11 दिनों के भीतर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो प्रदेशभर के स्कूल संचालक जयपुर कूच कर मुख्यमंत्री कार्यालय का घेराव करेंगे।

### गांधी सर्किल पर सभा, सरकार के सौतेले व्यवहार पर बरसे वक्ता

बुधवार सुबह चांग गेट स्थित गांधी सर्किल पर निजी स्कूल संचालकों और स्टाफ की एक विशाल आमसभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए संघर्ष समिति के संयोजक भरत भाटी और अध्यक्ष जितेंद्र अरोड़ा ने कहा कि राज्य सरकार निजी स्कूलों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। आरटीई के तहत गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने वाले निजी विद्यालयों को पिछले लंबे समय से भुगतान (पुनर्भरण राशि) नहीं किया गया है, जबकि नए सत्र में फिर से प्रवेश थोप दिए गए हैं।

### 'शाला संबलन ऐप' और लगातार निरीक्षणों से नाराजगी

समिति के प्रवक्ता कुलदीप सिंह राठौड़ और सचिव ओमाराम राणवा ने कहा कि मान्यता देते समय सभी नियमों की बारीकी से जांच की जाती है, इसके बावजूद पूरे सत्र अलग-अलग तरह की जांचें थोपकर स्कूल संचालकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। विशेष रूप से 'शाला संबलन ऐप' के माध्यम से प्रस्तावित नई निरीक्षण व्यवस्था पूरी तरह अव्यावहारिक है, जिसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। वक्ताओं ने इस बात पर भी रोष जताया कि परीक्षा परिणामों में निजी स्कूलों के छात्र अव्वल रहते हैं, लेकिन सरकार अपनी जनकल्याणकारी योजनाएं और सुविधाएं केवल सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों तक सीमित रखकर निजी स्कूलों के बच्चों के साथ अन्याय कर रही है।

### कलेक्ट्रेट तक निकाली विशाल रैली, सौंपा ज्ञापन

सभा के बाद गांधी सर्किल से एक आक्रोश रैली रवाना हुई। यह रैली पाली बाजार, लोहारान चौपड़, पंचबत्ती, महादेवजी की छतरी और अजमेरी गेट होते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

### ये रहे उपस्थितः

इस दौरान कोषाध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष अजमत काठात, दिलीप सिंह चौहान, मनीष सांखला, संजय गहलोत, नरेंद्र सिंह, फतेह सिंह, हरसुखलाल, गणपत सिंह, राजेंद्र शर्मा सहित जैतारण से हरिओम शर्मा, रायपुर से राजेश सिंह सांखला, मसूदा से ईश्वर लाल गुर्जर एवं ब्यावर, जवाजा, रायपुर तथा जैतारण क्षेत्र के सैकड़ों निजी स्कूल संचालक और प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# विभिन्न मांगों को लेकर प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने निकाली रैली

स्मार्ट हलचल

**सावर(अजमेर)।** प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ब्लॉक सावर के तत्वावधान एवं ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गा सिंह यादव के नेतृत्व में कस्बे सहित पूरे ब्लॉक के निजी विद्यालय संचालकों ने बुधवार को विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियां बंद रखकर रैली निकाली और उपखंड अधिकारी प्रतिनिधि को मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री तथा शिक्षा निदेशक के नाम ज्ञापन सौंपा।

संगठन के प्रवक्ता मनजीत कुमार सेन ने बताया कि ज्ञापन में निजी विद्यालयों का आरटीई का बकाया भुगतान शीघ्र जारी करने, मासिक निरीक्षण के नए नियमों के लागू नहीं करने तथा निजी विद्यालयों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की गई है।

इस अवसर पर संगठन महासचिव गुरविंदर सिंह मीणा, सचिव किशन सिंह हाड़ा, संगठन मंत्री भागचंद माली, प्रधानाध्यापिका हेमलता जैन, चंद्रकला सेन, राजेश शर्मा, कपिल वैष्णव, कमलजीत सिंह राठौड़, शांतिलाल जैन, यशवंत व्यास, ऋषभ शर्मा सहित सैकड़ों विद्यालय संचालक एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

# नवनियुक्त अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी का किया स्वागत

स्मार्ट हलचल

**सावर(अजमेर)।** राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) शाखा सावर द्वारा बुधवार को नवनियुक्त अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सावर गणपत लाल मीना का फूल-मालाओं से अभिनंदन एवं साफा बंधवाकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने उन्हें अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना की। स्वागत समारोह में संघ के संरक्षक चांदमल खटीक, रामसिंह मीना, रामराज साहू, लेखराज मीणा, हर्षवर्धन सिंह (मेहरूखुर्द), पुष्पेन्द्र, नित्यानंद, दिनेश, दीपक, पंकज, मस्तराम मीणा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

# विश्व युवा कौशल दिवस पर राजकीय आईटीआई, ब्यावर में गूंजे नारे; भव्य प्रभात फेरी से युवाओं को दिया आत्मनिर्भरता का संदेश

स्मार्ट हलचल

**ब्यावर।** विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में आज राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ब्यावर के परिसर में भारी उत्साह और उमंग का माहौल देखा गया। इस विशेष अवसर पर संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा क्षेत्र में कौशल विकास के प्रति चेतना जगाने के उद्देश्य से एक भव्य प्रभात फेरी एवं कौशल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

### तकनीकी शिक्षा ही युवाओं की असली शक्तिः आयुषी चौधरी

रैली का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) श्रीमती आयुषी चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर किया। संस्थान के युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहाः 'आज के इस तीव्र प्रतिस्पर्धी युग में कौशल (स्किल) ही युवाओं की सबसे बड़ी शक्ति है। तकनीकी शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाते हैं, बल्कि राष्ट्र के आर्थिक और औद्योगिक विकास में भी अपनी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। '

### नारों से गूंजा ब्यावर, आमजन को किया जागरूक

प्रभात फेरी के दौरान संस्थान के छात्र-छात्राओं ने हाथों में तख्तियां लेकर पूरे जोश के साथ नारे लगाए। रैली में गूंजे प्रेरणादायक और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नारे जैसे– 'कौशल है तो हुनर है, हुनर है तो भविष्य सुनहरा है ', 'सीखो हुनर, बढ़ो आगे - आत्मनिर्भर भारत के भागीदार बनो ', और 'कुशल युवा, सशक्त भारत' ने वहां से गुजरने वाले हर नागरिक का ध्यान आकर्षित किया। यह रैली संस्थान परिसर से शुरू होकर आसपास के प्रमुख क्षेत्रों से गुजरी, जिसका मुख्य उद्देश्य आमजन और युवा पीढ़ी को कौशल विकास, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा के फायदों से अवगत कराना था। कार्यक्रम के अंत में संस्थान प्रशासन ने सभी संकाय सदस्यों और प्रशिक्षणार्थियों का आभार व्यक्त किया।

# हॉस्टल से घर के लिए निकला था छात्र जसराम, बूंदी बस स्टैंड पर हुआ गायब

**5 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली परिजनों में दहशत - सिटी कोतवाली पुलिस पर लापरवाही का आरोप।**

स्मार्ट हलचल

**नगर फोर्ट।** उपखंड उनियारा क्षेत्र के चोरू गांव निवासी 18 वर्षीय छात्र के बूंदी बस स्टैंड से लापता होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि सिटी कोतवाली थाना बूंदी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के 5 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं।जानकारी के अनुसार प्रार्थी प्रहलाद धाकड़ पुत्र छोटूलाल धाकड़ निवासी चोरू, जिला टोंक ने रिपोर्ट में बताया कि उसका पुत्र जसराम धाकड़ बूंदी स्थित श्री श्याम हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता है। 11 जुलाई 2026 को सुबह करीब 6 बजे वह हॉस्टल से अपने घर चोरू आने के लिए निकला था, लेकिन वह घर नहीं पहुंचा।परिजनों ने बताया कि उसी दिन हॉस्टल संचालक राजेंद्र धाकड़ ने फोन कर पूछा कि क्या जसराम घर पहुंच गया है। परिवार के मना करने पर उसकी तलाश शुरू की गई।जांच में सामने आया कि जसराम के साथ हॉस्टल का एक अन्य छात्र भी निकला था जो नैनवां क्षेत्र का रहने वाला है। उस छात्र ने बताया कि वह तो बूंदी बस स्टैंड से नैनवां जाने वाली बस में बैठ गया था, जबकि जसराम अपनी बस का इंतजार कर रहा था। इसके बाद से जसराम का कहीं कोई पता नहीं चला। परिजनों का कहना है कि उन्होंने रिश्तेदारों सहित सभी संभावित जगहों पर तलाश कर ली है, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद भी पुलिस की कार्रवाई धीमी होने से परिवार में रोष है। परिवार ने पुलिस अधीक्षक से जल्द से जल्द छात्र को तलाशने की गुहार लगाई है।

# जीवन में संतोष व सकारात्मक सोच ही सच्चा सुखः राष्ट्रसंत पुलक सागर

**चित्तौड़गढ़।** जीवन का दूसरा नाम ही समस्याएं हैं। जब तक मनुष्य जीवित है, कठिनाइयां रहेंगी क्योंकि समस्याएं केवल जीवित व्यक्ति के हिस्से में आती हैं।

यह विचार मांगलिक धाम में आयोजित धर्मसभा में राष्ट्रसंत पुलक सागर महाराज ने श्रावकों को जीवन के गहरे सत्यों से अवगत कराते हुए अपने प्रवचन में कही। उन्होंने समाज में व्याप्त असंतुलन पर चिंता जताते हुए कहा कि आज कई लोगों के पास काम नहीं है, तो कहीं योग्य लोग नहीं मिलते। गरीब भोजन पाने के लिए दूर-दूर चलता है, जबकि अमीर भोजन पचाने के लिए मीलों चलता है। उन्होंने कहा कि हमारी वास्तविक समस्याएं मात्र 1-2 प्रतिशत हैं, अधिकांश दुख हम दूसरों के जीवन, बड़े मकान और गाड़ी से तुलना कर स्वयं उत्पन्न करते हैं। वास्तव में अपना दुख उतना बड़ा नहीं होता जितना दूसरों का सुख हमें दुखी कर देता है। उन्होने भगवान महावीर के संदेश को उद्धृत करते हुए कहा कि जो हमारे पास है उसका सदुपयोग करें, जो नहीं है उसकी व्यर्थ चिंता न करें और जो मिला है उस पर अहंकार न करें। जीवन में संतोष, कृतज्ञता और सकारात्मक सोच ही सच्चा सुख प्रदान करती है।

धर्मसभा के दौरान जौहर स्मृति संस्थान के अध्यक्ष नारायण सिंह बडोली, उपाध्यक्ष भंवर सिंह नेतावलगढ़ पाछली, महिला उपाध्यक्ष निर्मला कंवर राठौड़, महामंत्री भंवर सिंह खरड़ी बावड़ी सहित अन्य पदाधिकारियों ने आचार्य पुलक सागर को श्रीफल एवं जौहर की अमर वीरांगनाओं की तस्वीर भेंट कर अभिनंदन किया।

# कलयुगी बेटे ने पिता की ली जान, दो दिन बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा हत्यारोपी

**चाकू से हमला कर पिता की हत्या करने वाला पुत्र गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद**

स्मार्ट हलचल | लखीमपुर खीरी

रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली वारदात का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए अपने ही पिता की चाकू मारकर हत्या करने के आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर के मार्गदर्शन तथा प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कोतवाली सदर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या के मुकदमे में वांछित आकाश अवस्थी पुत्र राजीव कुमार अवस्थी, निवासी मोहल्ला हाथीपुर उत्तरी, थाना कोतवाली सदर को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी को ग्राम विशनूपुर जाने वाले मार्ग के मोड़ पर स्थित गौटिहा बाबा के चबूतरे के पास नीम के पेड़ के नीचे से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल चाकू भी बरामद हुआ।

पुलिस के मुताबिक 13 जुलाई 2026 को आरोपी आकाश अवस्थी ने अपने पिता राजीव कुमार अवस्थी पर चाकू से हमला कर उनकी हत्या कर दी थी। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी।

गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इस गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक तेज सिंह, उपनिरीक्षक अम्बेश्वर त्रिपाठी, आरक्षी विपिन पुनिया तथा आरक्षी जागेन्द्र सिंह की टीम शामिल रही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में गंभीर अपराधों के आरोपियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# बाजरे के खेत में मिला युवक का शव, इलाके में फैली सनसनी

स्मार्ट हलचल | बानसूर

क्षेत्र के नारायणपुर रोड़ पर इन्द्राडा स्टैंड के पास बुधवार सुबह बाजरे के खेत में एक 45 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान ईश्वर जाट पुत्र पन्नाराम जाट निवासी कानूगावाली जाटान (होलावास) के रूप में हुई हैं।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस की मौजूदगी में रोटी बैंक की निःशुल्क एंबुलेंस से शव को उप जिला अस्पताल बानसूर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने जांच के बाद युवक कों मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शव करीब एक दिन पुराना बताया जा रहा हैं। पुलिस नें शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों कों सौप दिया हैं।फिलहाल पुलिस मामलें की जांच में जुटी हैं।

# कव्वालों की मान मनुहार के साथ हजरत नन्नू शाह बाबा का उर्स सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

सामोद में स्थित हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत नन्नू शाह अली रहमतुल्लाह अलैह का 35 वां एक दिवसीय वार्षिक उर्स 15 जुलाई बुद्धवार को कव्वालों की मान मनुहार के साथ उर्स सम्पन्न हो गया।

दरगाह के खिदमतगार चेन सिँह बाबा व इकबाल हुसैन ने बताया कि 14 जुलाई मंगलवार को सुबह दरगाह मे चिराग रोशन व झंडे की रस्म के साथ ही रंग बिरंगे परिधानो मे सज संवरकर विभिन्न वाहनों मे सवार होकर जायरीनो का आना शुरू हुआ शाम को हिन्दू मुस्लिम जायरीन के द्वारा चद्दर पेश की गई, मगरिब को लंगर वितरण किया गया जिसमे अकीदतमंद शिरकत किए, रात्रि 10 बजे से संपूर्ण रात्रि तक महफिल ए शमा का आयोजन किया गया जिसमें भारत की माशहुर कव्वाल पार्टियों द्वारा बाबा की मान मनुहार कि गई।

इस महफ़िल ए शमा मे अनवर साबरी फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश के मशहूर कव्वाल पार्टी द्वारा बाबा की मान मनुहार की गई।

इस अवसर पर चेन सिँह बाबा, छोटू असवाल मोहसिन खान, अब्दुल रजाक अब्बासी, छित्तर कुमावत मक्खन कुमावत, रामावतार कुमावत, छोटू कुमावत, बंसी कुमावत,फय्युम कुरैशी, रसिद पटेल, आमिन तिगाला, कालु खान, शकुर तेली, कबू सेन,हरी बेनिवाल आदि उपस्तिथ थे।

# झूलती 11 केवी हाईटेंशन लाइन से मंडावर में मंडरा रहा बड़ा खतरा, कॉलोनी वासियों ने दी आंदोलन की चेतावनी, अतिरिक्त पोल लगाने का प्रस्ताव तैयार

स्मार्ट हलचल

**मंडावर (दौसा)।** कस्बे के सरकारी अस्पताल के पीछे स्थित उमाकांत पटवारी वाली गली में झूल रही 11 केवी हाईटेंशन विद्युत लाइन स्थानीय लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। कॉलोनीवासियों ने इस गंभीर समस्या को लेकर जयपुर डिस्कॉम के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए लाइन को तत्काल सुरक्षित ऊंचाई पर कराने, अतिरिक्त पोल लगाने और स्थायी समाधान की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार यह हाईटेंशन लाइन गल्स स्कूल से सरकारी अस्पताल की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग से होकर गुजरती है। कई स्थानों पर तार जमीन से मात्र 8 से 10 फीट की ऊंचाई पर झूल रहे हैं, जिससे राहगीरों, स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ-साथ आसपास रहने वाले परिवारों में भय का माहौल बना हुआ है। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, क्योंकि तेज हवा, बारिश और पेड़ों की शाखाओं के संपर्क में आने से करंट फैलने तथा दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

कॉलोनीवासियों का कहना है कि यह रास्ता क्षेत्र का सबसे व्यस्त मार्ग है। प्रतिदिन सैकड़ों लोग इसी रास्ते से अस्पताल, स्कूल और बाजार के लिए आवागमन करते हैं। इसके बावजूद लंबे समय से झूल रही विद्युत लाइन को लेकर कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया, जिससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस संबंध में पहले भी कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों को मौखिक एवं लिखित रूप से शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला। समस्या जस की तस बनी रहने से लोगों को मजबूर होकर एक बार फिर जयपुर डिस्कॉम मंडावर के सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपना पड़ा।

शिकायतकर्ता प्रियंका सैनी ने बताया कि यदि इस ढीली हाईटेंशन लाइन के कारण भविष्य में कोई जनहानि होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन को किसी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय पहले ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने चाहिए।

ज्ञापन की प्रतिलिपि भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी तथा महवा विधायक राजेंद्र मीणा को भी भेजी गई है, ताकि जनहित से जुड़े इस गंभीर मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर समाधान कराया जा सके।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जयपुर डिस्कॉम की तकनीकी टीम ने मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लाइन को सुरक्षित ऊंचाई पर ले जाने के लिए एक अतिरिक्त विद्युत पोल लगाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। अब क्षेत्रवासी विभाग से जल्द स्वीकृति और कार्य शुरू होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही लाइन को सुरक्षित नहीं किया गया तो वे जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन के समक्ष व्यापक जनआंदोलन शुरू करने के लिए विवश होंगे। उनका कहना है कि लोगों की सुरक्षा किसी भी कीमत पर सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और विद्युत विभाग को बिना देरी किए स्थायी समाधान सुनिश्चित करना चाहिए।

# स्मार्ट मीटर और नोटिसों से नारायणपुर में किसानों का फूटा

स्मार्ट हलचल

**बानसूर।** विधानसभा क्षेत्र के नारायणपुर उपखंड मुख्यालय के सामने स्मार्ट मीटर और सिक्योरिटी नोटिसों से नाराज सैकड़ों किसानों ने आज एईएन कार्यालय पर बिजली विभाग के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया।किसान नेता राकेश दायमा के नेतृत्व में किसानों ने 'स्मार्ट मीटर वापस लो' के नारे लगाए। किसानों का आरोप है कि मीटर लगने के बाद 2-4 हजार के नोटिस और लाखों के बिल भेजे जा रहे हैं। जिसको लेकर आक्रोशित किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर समाधान की मांग की। अन्यथा नारायणपुर बंद कर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

# बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

**जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...**

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

## मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

## कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

## फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

# ...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ–साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ–सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

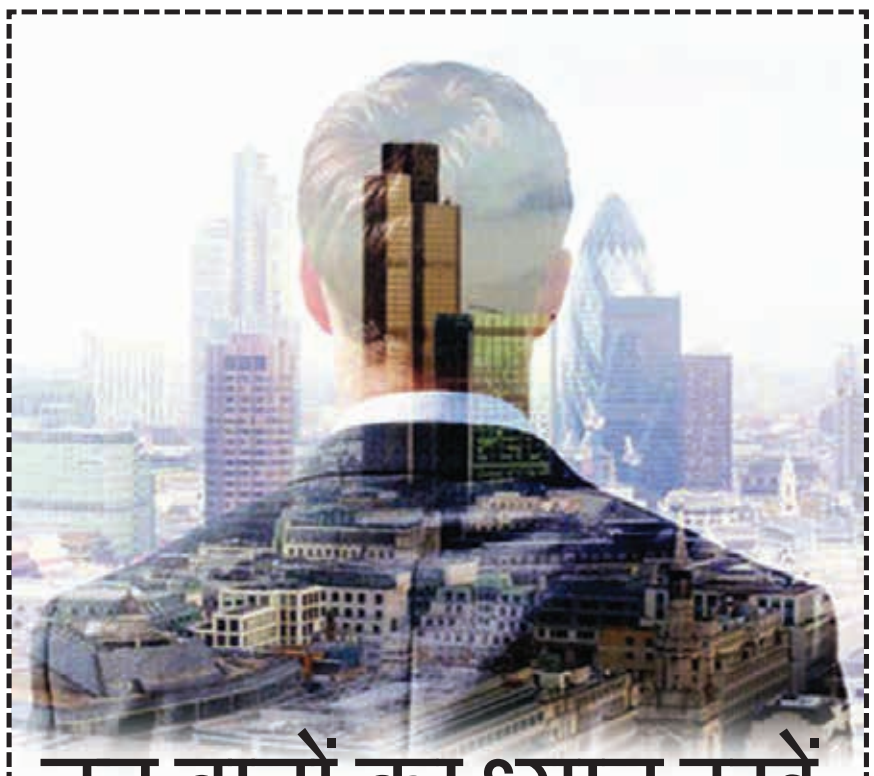

# इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

**जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।**

## बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तकि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

## दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ–साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

## भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

## रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होता है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

## साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

# हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

**आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।**

## कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे – लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं – पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

## जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी

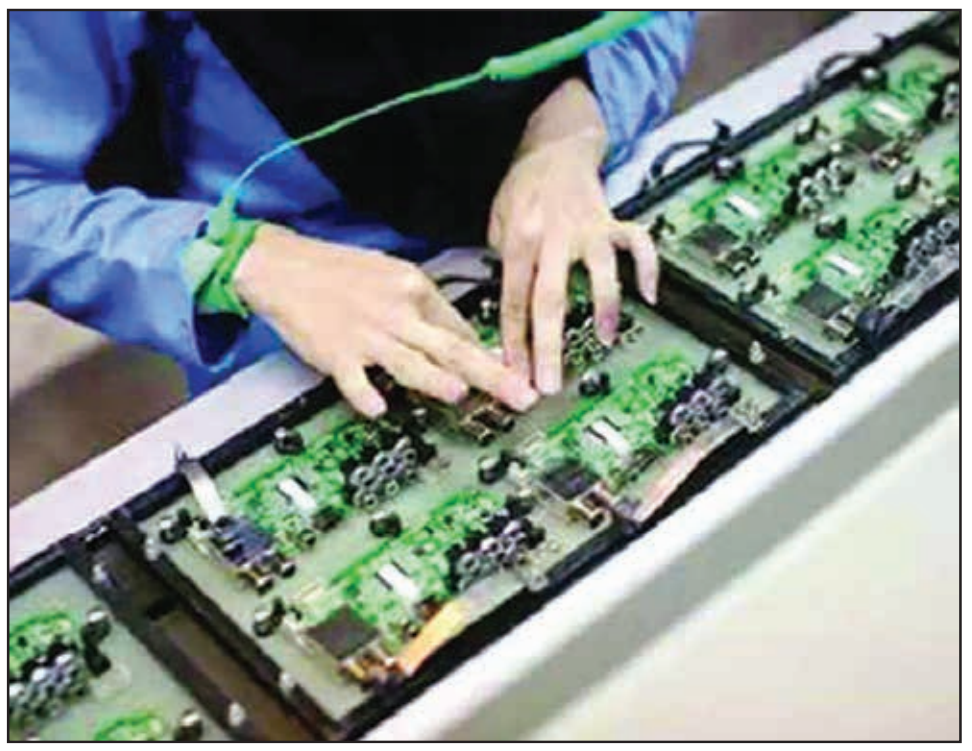

स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी–बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई–गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

## मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी–खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com